



मित्र समाचार

अंक 16

प्रकाशन 3

मार्च 2026

उसने उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले, और मत्ती
उठकर उसके पीछे हो लिया।” मत्ती 9:9

**अनुसरण करने
के लिए बुलाहट**

प्रथम पंक्ति...

ऊँची
उड़ान



एक शिकारी ने पहाड़ों में एक बड़ा अंडा मिला और उसने उसे अपने घर पर मुर्गी के अंडों के बीच रख दिया। जब अंडे फूटे, तो बच्चे में मुर्गी के पीछे-पीछे जमीन खुरबते और कीड़ों को चाँच करते हुए चले गए। उनमें एक बाज का बच्चा भी था। मुर्गी को जल्दनी भी नामकर, वह दूसरे भूखों की तरह ही रहता था। फिर भी अंदर ही अंदर कुछ अलग महसूस हो रहा था। एक दिन, उसने ऊपर देखा और एक ताकतवर बाज को ऊँचा उड़ते हुए देखा, जो ताकत और आजादी के साथ आसमान चीर रहा था। जब उसने दूसरे चूजों से इसके बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब दिया, “इसके बारे में सोचना भी मत — तुम कभी भी उस बाज जैसा नहीं बन सकते।” लेकिन उसके अंदर उड़ने की इच्छा पैदा हो गई।

शीघ्र ही शिकारी को एहसास हुआ कि यह एक चील का अंडा था और उसने उस छोटे पक्षी को पहाड़ों पर वापस भेज दिया। दूसरे चीलों को देखकर, उसने उड़ना सीखा और आसमान में शान से उड़ने लगा।

आज बहुत से लोग सिनेमा, राजनीति और खेल जगत की मशहूर हस्तियों का अनुसरण करते हैं। बाज के बच्चे की तरह, हम भी अक्सर उन्हीं लोगों के जैसा बन जाते हैं जिनका हम अनुसरण करते हैं। परन्तु जब बाज के बच्चे को अपनी असली पहचान पता चली और उसने बाजों का अनुसरण किया, तो उसे एक नई जीवन और उद्देश्य प्राप्त हुआ।

अनुसरण करने की बुलाहट: मत्ती 9:9 में, यीशु ने मत्ती को बुलाया: “मेरे पीछे हो ले।” मत्ती ने तुरंत अपनी महसूल जमा करने की नौकरी छोड़ दी और नुकसान के बावजूद यीशु के पीछे चल पड़ा। लूका 5:11 में, मछुआरों ने सब कुछ छोड़ दिया और यीशु के पीछे हो लिए। **बुलाहट का उद्देश्य:** उनके साथ होना — मरकुस 3:14, **उनके जीवन से सीखना** — यूहन्ना 13, **उनकी सेवा जारी रखना** — मत्ती 4:19। अब वह महसूल लेने वाला और मछुआरे नहीं माने जाते थे। यीशु ने उन्हें एक नई पहचान और एक बड़ा मकसद दिया — “मनुष्यों के मछुआरे” बनना।

परमेश्वर जो अनुसरण करने की अपेक्षा करता है: ईमानदारी से अनुसरण करना — व्यवस्थाविवरण 1:36, **उसकी आज्ञाओं का पालन करना** — लैव्यव्यवस्था 18:4, **आत्म-त्याग और प्रतिदिन समर्पण** — लूका 9:23. मसीह का अनुसरण करना यह आकस्मिक नहीं है। इसके लिए समर्पण, आज्ञाकारी एवं त्याग की जरूरत होती है।

अनुसरण करने का पुरस्कार: पहले तो शिष्यों ने भी सोचा, “हमें क्या मिलेगा?” (मत्ती 19:27)। परन्तु परमेश्वर बलिदान को भूलकर कभी अन्यायी नहीं होता।

पुराने नियम में:

- **यहोशू** ने पूरे मन से प्रभु का अनुसरण किया, और परमेश्वर ने उसे उस भूमि को देने की प्रतिज्ञा की जिस पर उसने पौंव रखा (व्यवस्थाविवरण 1:36; गिनती 14:24)।

नए नियम में:

- चेलों को सिंहासन और अनंत जीवन की प्रतिज्ञा दी गई थी (मत्ती 19:27–29)।
- यीशु ने कहा, “जो कोई मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।” (यूहन्ना 8:12)।

हमारे वरिष्ठ मिशनरीगण जिन्होंने विश्वासयोग्यता से मसीह का अनुसरण किया, वे ऐसे जरिया बने जिन्होंने देशों को हिला दिया और लंबे समय बना रहने वाला फल दिया। आज, जब हम रज्जत और स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, तो हम उन विश्वासयोग्य सेवकों को स्मरण करते हैं जिन्होंने पूरे हृदय से परमेश्वर अनुसरण किया।

— मर्सि सेल्विन (संचार विभाग)

यीशु ने उनसे कहा, "मेरे पीछे
चले आओ, तो मैं तुमको
मनुष्यों के पकड़नेवाल
बनाऊँगा।" — मत्ती 4:19

यदि मुझे पूरी तरह से प्रभु यीशु
मसीह का अनुसरण करना है,
तो मुझे सब कुछ त्यागना होगा
जो उसके विरुद्ध है।

— ए. डब्ल्यू. टोज़र

मेरी भेड़ें मेरी शब्द सुनती हैं;
मैं उन्हें जानता हूँ, और वे मेरे
पीछे-पीछे चलती हैं।

— यूहन्ना 10:27

यीशु के पीछे चलने का
अर्थ है उनके सपने को अपनाना
और उसके लिए काम करना।

— स्कॉट मैकनाइट

यदि आप क्रूस एवं बाकी
सब कुछ सहकर भी उनके पीछे
चलने को तैयार नहीं हैं, तो आप
मसीह के सेवक नहीं हो सकते।

— चार्ल्स स्पर्जन

मित्र समाचार

हमारा मिशन :

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल एक
सुसमाचार— केंद्रित आंदोलन है जो देश
के कोने-कोने में यीशु मसीह के
सुसमाचार को पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध
है। भारतीय कलीसियाओं की अटूट
प्रार्थनाओं, सक्रिय भागीदारी और
त्यागपूर्ण समर्थन से सशक्त होकर —
अपनी कलीसियाओं, संस्थाओं, परिवारों
और व्यक्तियों के माध्यम से — यह
आंदोलन पूरे देश में निष्ठापूर्वक सेवा
कर रहा है। हम सब मिलकर मसीह के
मिशन में आगे बढ़ रहे हैं। जुड़े रहें।
अपने दर्शन को साझा करें। दूसरों को
उसके परिवर्तनकारी प्रेम से परिचित
कराएँ।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org



**मित्र
समाचार**

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

महासचिव

विजय प्रसन्ना इसाहक

प्रकाशक एवं सम्पादक

एस. जॉन बर्लिन

सदस्यता

वार्षिक — 100 रुपये

आजीवन — 1500 रुपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053

Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353

Cell: 9444394342

E-mail: info@fmpb.org

Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

मिशन में प्रिय भागीदारों,

हमारे विश्वास के हृदय में कोई संस्था नहीं, कोई ढाँचा नहीं, या कोई रणनीति भी नहीं, बल्कि एक बुलाहट है। सभाएँ और सम्मेलन, जुबली और विचार-विमर्श से पहले, गलील के किनारों पर एक आवाज गूँजती थी, "मेरे पीछे चले आओ।" मसीही धर्म एक संगठन के तौर पर शुरू नहीं हुआ था; यह एक बुलाहट के तौर पर शुरू हुआ था। चर्च आज इसलिए है क्योंकि आम पुरुषों एवं स्त्रियों ने उस विशेष बुलाहट का प्रतियुत्तर दिया। जब हम अपने क्षेत्रों में वर्तमान मील का पत्थर, जमावाड़ा एवं उत्सवों के बारे में सोचते हैं, तो हमें इस बुनियादी सच पर लौटना होगा: हम अगुवे बनने से पहले अनुयायी हैं, निदेशक बनने से पहले शिष्य हैं, प्रशासक बनने से पहले दास कहलाते हैं। हम जो कुछ भी बाहर मनाते हैं, वह मसीह के प्रति हमारी अंदरूनी आज्ञाकारिता में होना चाहिए। यीशु के पीछे चलने की बुलाहट सबसे पहले परमेश्वर के अनुग्रह का काम है। चेलों ने स्वयं को काबिल नहीं बनाया; उन्हें चुना गया था। जाल डालने वाले मछुआरे और अपने कुर्सी पर बैठे महसूल लेने वाले को हमेशा के मकसद के लिए बुलाया गया था। "तुमने मुझे नहीं चुना, वरन् मैंने तुम्हें चुना है" (यूहन्ना 15:16)। ये शब्द घमंड को खत्म करते हैं और हमें शुक्रगुजार करते हैं। अलग-अलग इलाकों और राज्यों में हमारी सेवकाई, हमारे बढ़ते काम, और यहाँ तक कि हमारे ऐतिहासिक उत्सव भी इंसानी काबिलियत के नहीं बल्कि परमेश्वर की दया के प्रमाण हैं। मिशन त्रिएक परमेश्वर के हृदय से आरम्भ होता है, पिता पुत्र को भेजता है, पुत्र आत्मा को भेजता है, और



आत्मा कलीसिया को सामर्थ्य प्रदान करती है। जब हम यीशु के पीछे चलते हैं, तो हम खुद को इस हमेशा के छुटकारा दिलाने वाले आंदोलन के साथ जोड़ते हैं। इसलिए, हमारा काम सिर्फ संस्था काविकास नहीं है; यह परमेश्वर के खुलते मकसद में हिस्सा लेना है।

मसीह के पीछे चलने की बुलाहट भी रुकावट डालने वाला है। जब यीशु ने कहा "मेरे पीछे चले आओ," तो जाल पीछे छूट गए और जानी-पहचानी सुरक्षा छोड़ दी गई। उनके पीछे चलने से प्राथमिकताएँ बदल जाती हैं, मसीह व्यवसाय से ऊपर, राज आराम से ऊपर, आज्ञा मानना सुविधा से ऊपर। यह सच्चाई तब और भी गहराई से महसूस होती है जब हम सेवकाई की स्वर्ण जयंती उत्सव पर सोचते हैं। 24-26 जनवरी को गुजरात में पचास वर्षों की विश्वासयोग्य गवाही उन लोगों के लिए एक गवाही है जिन्होंने हिम्मत और लगन के साथ मसीह की बुलाहट का प्रतियुत्तर दिया। CNI मॉडरेटर, **महा मान्यवर डा. की** शानदार मौजूदगी। कोलकाता के डिप्टी मॉडरेटर और बिशप परितोष कैनिंग, महा मान्यवर डॉ. सिल्वेनस क्रिश्चियन एवं गुजरात डायोसीस के बिशप ने इस मौके को गहरा आध्यात्मिक महत्व दिया। उनकी भागीदारी ने मसीह के

महान देह के अंदर एकता को दिखाया और हमें याद दिलाया कि हमारा मिशन परमेश्वर की बड़ी उद्धार की कहानी का हिस्सा है। जबली सिर्फ लंबी उम्र का जश्न नहीं है; यह दशकों तक चलने वाली आज्ञाकारिता का जश्न है।

धन्यवाद की इसी भावना के साथ, हम सेवकाई के रज्जत जयंती उत्सव में खुशी मना रहे हैं। छत्तीसगढ़ में, परमेश्वर की अनुग्रह के पच्चीस साल पूरे हो रहे हैं। ये मील के पत्थर अनगिनत प्रार्थनाओं, अनदेखे त्याग और पक्के इरादे को दिखाते हैं। ये इस बात की गवाही देते हैं कि जब पुरुष और महिलाएँ पूरे हृदय से मसीह की बुलाहट का प्रतियुत्तर देते हैं, तो वह उनके हाथों के काम को स्थापित और मजबूत करते हैं। जब हम इन ऐतिहासिक मील के पत्थरों का जश्न मनाते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि जिस आवाज ने अग्रगामियों को बुलाया था, वही हमें आगे बुला रही है।

फिर भी, मसीह की बुलाहट काम का होने से पहले रिश्तों से जुड़ा है। पवित्रशास्त्र हमें स्मरण दिलाता है कि यीशु ने बारहों को इसलिए चुना था “ताकि वे उसके साथ रहें और वह उन्हें भेजे” (मरकुस 3:14)। होना, करने से पहले आता है। मेल-मिलाप, काम करने से पहले आता है। अपनापन, असर डालने से पहले आता है। ऐसे समय में जब हमने कामयाबी से काम पूरा कर लिया है। राष्ट्रीय योजना सम्मेलन 2026 में, हमें याद दिलाया गया कि योजना बनाना हमेशा प्रार्थना से ही होनी चाहिए। बिना हार माने रणनीति आत्मनिर्भरता बन जाती है। सम्मेलन ने हमें अपनी जिम्मेदारी को जाँचने, आने वाली चुनौतियों को समझने और आने वाले सालों के लिए अपनी दिशा तय करने का एक बहुमूल्य अवसर दिया। परन्तु सबसे बढ़कर, यह एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी थी, एक साथ मसीह के

मन को जानने का अवसर। भविष्य के लिए हमारा भरोसा हमारी योजनाओं की निश्चितता पर नहीं, बल्कि हमारे प्रभु की ईमानदारी पर टिका है।

इसी प्रकार, FMPB मिशन कंसल्टेशन ने अगुवों और प्रतिनिधियों को सेवकाई का परिदृश्य एवं विकास पर गहन चिंतन करने के लिए एक साथ लाया। तेजी से बदलते हुए सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ, जहाँ जटिलताएँ बढ़ती हैं और संवेदनशीलता बढ़ती है, हमें बाइबिल पर आधारित और प्रासंगिक बुद्धिमान बने रहें। विचार विमर्श की खासियत थी विचारशील जुड़ाव और एक साझा यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता कि हमारे तरीके हमारे संदेश और हमारे विस्तार कभी भी हमारे शिष्यत्व से आगे नहीं बढ़ता। ऐसी सभाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यीशु को लगातार समझदारी, नम्रता और एकता की जरूरत है,।

परन्तु, यीशु के पीछे चलने का निमंत्रण शिष्य बनने की कीमत से अलग नहीं किया जा सकता। “अगर कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो वह अपने आप का इन्कार करे, प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए और मेरे पीछे हो ले” (लूका 9:23)। क्रूस कोई प्रतीकात्मक सजावट नहीं है; यह राज्य का प्रतिरूप है। मसीह ने स्वयं को खाली कर दिया, स्वयं को विनम्र किया, और मृत्यु तक आज्ञाकारी रहा (फिलिपियों 2:5-8)। परमेश्वर का मिशन स्वयं को बढ़ावा देने से नहीं, बल्कि स्वयं का इन्कार करने से आगे बढ़ता है। नेतृत्व और सेवा में, हमें हल्के घमंड और पहचान की इच्छा से बचना चाहिए। क्रूस उद्देश्यों को स्पष्ट साफ करता है और वास्तविकता को गहरा करता है। हमारी सेवकाई का प्रभाव तालियों से नहीं, बल्कि आज्ञा मानने के द्वारा से मापा जाता है।

शिष्य बनने की कीमत में धीरज भी जरूरी है। आरम्भिक कलीसिया विरोध और मुश्किलों के बीच

बढ़ा, और कई मुश्किलों से गुजरकर राज्य में दाखिल हुआ (प्रेरितों 14:22)। आज भी, वफादारी के लिए मजबूती, हिम्मत और दृढ़ भरोसा की जरूरत है। फिर भी, हमारी गवाही को भरोसा तभी मिलता है जब हम डटे रहते हैं। हमारी सभाएँ और कामयाबियाँ त्याग भरी सेवा की नींव पर टिकी हैं।

साझा समर्पण की यह भावना **SCAN** फ़ैमिली गेट-इन के दौरान साफ दिखी। **MCC** में साथ मिलकर, जहाँ मेलजोल ने रिश्तों को मजबूत किया और हृदयों को नया बनाया। मिशन सिर्फ नजरिए से ही नहीं बल्कि समुदाय से भी चलता है। जब परिवार एकता में इकट्ठा होते हैं, जब गवाही शेयर की जाती है और मिलकर प्रार्थना की जाती है, तो हम एक साथ यात्रा कर रहे मसीह के शरीर की सुंदरता को नए सिरे से महसूस करते हैं।

जैसे ही हम पवित्र लैंटेन सीजन में आए, हमने 18 फरवरी से देश के लिए 1000 घंटे की प्रार्थना शुरू की। यह पहल हमारे इस यकीन को दिखाती है कि मिशन वास्तव में स्पर्णनीतिक होने से पहले आत्मिक है। प्रार्थना हमारे मनों को परमेश्वर के मकसद के साथ जोड़ती है और उन पर हमारी निर्भरता को फिर से बढ़ाती है। लैंट हमें क्रूस के रास्ते पर वापस बुलाता है, खुद को परखने, मन फिराने करने और गहराई से समर्पित करने के लिए। निरन्तर प्रार्थनाओं के द्वारा हम अपने देश के लिए परमेश्वर की दया और अगुवाई चाहते हैं, यह भरोसा करते हुए कि बदलाव हमारे घुटनों पर शुरू होता है।

जब हम उत्सव मनाते और प्रार्थना करते हैं, तब भी हम उम्मीद के साथ आगे देखते हैं और मार्च महीने में आंध्र प्रदेश में होने वाली आने वाली स्टाफ मीटिंग और सेवकाई की कार्यक्रम आपकी सच्ची प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं। ये प्रतिदिन के काम नहीं हैं, बल्कि आत्मिक

मजबूती, एकता और नए समर्पण के अवसर हैं। उम्मीद है कि ये मीटिंग हमें सौंपे गए काम के लिए मेलजोल को गहरा करेंगी, नजरिया तेज करेंगी और लोगों के लिए नया अभिषेक लेकर आएँगी।

प्रिये साथियों, बुलाहट हमें बुलाता है, क्रूस हमें बेहतर बनाता है, और समर्पण हमें बनाए रखता है। यीशु का अनुसरण करना कोई पल भर का फ़ैसला नहीं है, बल्कि हृदय और इच्छा की जिंदगी भर का तालमेल है। सफलता को कभी भी समर्पण की जगह नहीं लेनी चाहिए। विस्तार को कभी भी भक्ति की जगह नहीं लेनी चाहिए। ढाँचा को कभी भी आत्मिकता पर हावी नहीं होना चाहिए। अपने जीवन के अंत में पौलुस ने कामयाबियों की बात नहीं की, बल्कि कहा, “मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी है, मैंने दौड़ पूरी की है, मैंने विश्वास की रखवाली की है।” हमारी गवाही भीयही हो।

जैसे—जैसे हम सेवकाई के नए दौर में आगे बढ़ रहे हैं, हम इस कभी न बदलने वाली सच्चाई में बने रहें: हमें मसीह ने बुलाया है, उसके क्रूस ने हमें बनाया है, और हम विश्वासयोग्य समर्पण से बने हुए हैं। हमारा आन्दोलन न सिर्फ अपनी पहुँच के लिए बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े होने के लिए, न सिर्फ अपनी बढ़ोतरी के लिए बल्कि अपने परमेश्वर की भक्ति के लिए जाना जाए। और जो आवाज कभी मछुआरों को बुलाती थी, वह आज भी हमारे हृदयों में गूँजती रहे, और हमें आज्ञाकारिता के और करीब लेकर आए।

“हे प्रभु, हम तेरे पीछे हो लेंगे।”

परमेश्वर की सेवा के अङ्गिकार में आपका



रेव. विजय प्रसन्ना इसहाक

“बुलाहट अनुसरण करने के लिए”

महसूल लेने वाले से प्रेरित तक

वहाँ से आगे बढ़कर यीशु ने मत्ती नामक एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा, और उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” वह उठकर उसके पीछे हो लिया। मत्ती 9:9

...“मेरे साथ आओ और मेरा चेला बन जाओ!”

t4t (अनुवादकों के लिए अनुवाद)

“यीशु मसीह के प्रति अपने समर्पण को सुनिश्चित करें, और प्रति दिन उसके पीछे चलने का प्रयास करें। इस जगतके झूठे मूल्यों और लक्ष्यों से प्रभावित न हों, बल्कि जो कुछ भी आप करें उसमें मसीह और उनकी इच्छा को सबसे पहले रखें।” — बिली ग्राहम

यीशु का मत्ती को महसूल लेने वाला कहना यह सिखाता है कि दया, निर्णय पर विजय होती है। मत्ती, जिसे लेवी के नाम से भी जाना जाता है, एक महसूल लेने वाला था जो यीशु के बारह प्रेरितों में से एक बन गया और पारंपरिक रूप से उसे मत्ती रचित सुसमाचार का लेखक माना जाता है।

पृष्ठभूमि: मत्ती कफरनहूम में महसूल वसूलने वाला था, बाईबिल के समय में यहूदी लोग इस

काम से नफरत करते थे। महसूल वसूलने वालों को अक्सर गद्दार माना जाता था क्योंकि वे रोमन अधिकारियों के लिए काम करते थे और अपने साथी यहूदियों से पैसे ऐंठने के लिए जाने जाते थे। वे आम तौर पर सामान और आय पर महसूल वसूलते थे, और अक्सर स्वयं को अमीर बनाने के लिए जितना देना होता था उससे ज्यादा माँगते थे।

मत्ती, जो परमेश्वर के उद्देश्यके विपरित जीवन जी रहा था, वास्तव में कभी खुश नहीं था। अपने मनमानी की वजह से, वह किसी से प्रेम नहीं कर पाता था। सबसे ज्यादा, दूसरों द्वारा पापी कहे जाने से उसे ऐसा लगता था जैसे परमेश्वर ने भी उसे छोड़ दिया हो। उसे दोषी महसूस होता था, उसे लगता था कि उसे न सिर्फ लोगों ने, स्वयं परमेश्वर ने भी तिरस्कार कर दिया है।

बाईबल में परमेश्वर के चुनाव में, स्वीकारोक्ति ही नियम लगता है। “कौन सोच सकता था कि परमेश्वर एसाव को नहीं बल्कि याकूब को चुनेगा। आश्चर्य की बात है कि लेवी/मत्ती के जीवन में।

मरकुस 2:14–17, हमें सिखाती है कि **मत्ती का वास्तविक नाम लेवी था।** लेवी की पहचान एक गैलीली और हलफर्ड के पुत्र के तौर पर हुई थी। वह एक महसूल लेने वाला था और गलील में चौथाई के राजा हेरोदेस अंतिपास की सेवा करता था। इसका अर्थ यह है कि लेवी प्रसिद्ध नहीं था। एक यहूदी महसूल लेने वाले होने के नाते, लेवी को कई यहूदी पापी और यीशु के पीछे चलने के योग्य नहीं मानते थे। निःसंदेह, एक बार जब

लेवी ने यीशु के पीछे चलने का बुलावा मान लिया, तो उसे सिर्फ मत्ती के नाम से जाना गया, जिसका मतलब है **“यहोवा का वरदान।”**

परमेश्वर द्वारा बुलाया जाना... ज्यादातर लोग सेवकाई के बुलावे को गलत समझते हैं। सेवकाई के लिए परमेश्वर की बुलाहट डर, झूठी उम्मीदों और अवास्तविक मानकों से भरा होता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कलीसिया के इतिहास में इसे अक्सर बुलावे के आसान मतलब पर ही इस्तेमाल किया गया है। सीधे शब्दों में कहें तो हम इसे समझना और उत्तर देना बहुत मुश्किल बना देते हैं। हमें जलती हुई झाड़ी और स्वर्ग से आवाज की जरूरत नहीं है। परमेश्वर की बुलाहट आध्यात्मिक होना चाहिए। यह कोई व्यवसाय का चुनाव, सोचने का तरीका, कोई पारिवारिक काम या उन लोगों के लिए कोई विकल्प नहीं है जिनके पास करने के लिए और कुछ बेहतर नहीं है।

अनुसरण करें... यीशु का अनुसरण करने से एक नई समाज का निर्माण और पहचान बनती है। यह बुलाहट सेवा, क्षमा, आनन्द और परमेश्वर के साथ के जीवन की ओर ले जाता है, जो पाप और सजा के बोझ से अलग है, भले ही इसमें जुल्म शामिल हो। बाईबल में 12 अलग-अलग वार्तालाप में 21 बार “मेरे पीछे हो ले” आया है जहाँ यीशु ने “मेरे पीछे हो ले” की आज्ञा दी है — यह व्यक्तिगत है, इसमें पूरी तरह समर्पण करने और जीवन बदलने की जरूरत है, यह लोगों को उनके पुराने, अक्सर पापमय जीवन से निकालकर एक उद्देश्यपूर्ण नया जीवन की ओर ले जाता है। यीशु उन लोगों को बुलाता है जिन्हें समाज ठुकरा देता है, यह दिखाते हुए कि वह आत्मिक रूप से बीमार लोगों के लिए आया था।

उसका अनुसरण क्यों करें?

वह हमारे विश्वास के सबसे बड़े अधिकारी, लेखक और उसे पूरा करने वाला है।

मत्ती 19:27 इस पर पतरस ने उससे कहा, “देख, हम तो सब कुछ छोड़कर तेरे पीछे हो लिए हैं: तो हमें क्या मिलेगा?” यीशु ने उनसे कहा, “...तुम भी जो मेरे पीछे हो लिए हो, बारह सिंहासनों पर बैठोगे... v.29 और जिस किसी ने घरों, या भाईयों, या बहिनों, या पिता या माता, या बाल बच्चों, या खेतों को मेरे नाम के लिए छोड़ दिया

है, उसको सौ गुणा मिलेगा, और अनन्त जीवन का अधिकारी होगा।

पहला, “मेरे पीछे हो ले” यीशु का एक आदेश है जो हमारे जीवन की दिशा बदलने के लिए है: “यीशु वहाँ से आगे बढ़कर यीशु ने मत्ती नामक एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा और उससे कहा, “मेरे पीछे हो ले।” और मत्ती उठकर उसके पीछे हो लिया।” मत्ती ने पैसे के पीछे भागते हुए अपना जीवन बिताया था। परन्तु अब, यीशु उसे आज्ञा देता है कि वह पैसे के पीछे भागना बंद करे और उसके पीछे चलना आरम्भ करे। हाँ, हम सभी को पैसे की जरूरत है — परन्तु पैसा सिर्फ एक श्रोत है, उद्देश्य नहीं। हमारे जीवन का मकसद हमेशा रहने वाले परमेश्वर — यीशु मसीह होना चाहिए। यहाँ हम उनके पीछे चलने का चुनाव देखते हैं। चुनाव से मेरा क्या मतलब है? मेरा मतलब है, यीशु मसीह का सबसे बड़ा चुनाव। मसीह का हमें चुनना, हमारा उसको चुनने से पहले है। उसने अपने प्रेरितों से कहा, जिनमें सेयूहन्ना 15:16 में मत्ती एक था, “तुमने मुझे नहीं चुना, बल्कि मैंने तुम्हें चुना। पुत्र मत्ती को पिता को दिखाने का चुनाव कर रहा है। मसीह का चुनाव पहले आता है। कहानी में पहल किसके पास है? यह यीशु मसीह है। वह मत्ती के पास आता है, उसके पास से गुजरता है और मत्ती से कहता है, “मेरे पीछे हो ले,” पहल मसीह के पास है। इसी तरह हमारे जीवनमें भी, हमारा पिछला जीवन चाहे जो भी रहा हो, परन्तु उसके सबसे बड़े चुनाव से, और यह परमेश्वर का चुनाव है, इसलिए हम उसकी सेवकाई में हैं, काम के एक श्रोत के रूप में। परन्तु यह सब अनुग्रह से है हमारी योग्यता से नहीं। हम सभी की बुलाहट हमारी अपनी धार्मिकता पर पर नहीं, परन्तु उसकी दया करने वाला हृदय पर निर्भर करता है।” आपके जीवन का उद्देश्य क्या है? यह मसीह होना चाहिए। यदि आप यीशु की आवाज सुनते हैं जो कह रही है, “मेरे पीछे हो ले,” और आप अपने जीवन का उद्देश्य और दिशा अभी से उनकी तरफ मोड़ दें।

दूसरा, “मेरे पीछे हो ले” यीशु का चेला बनने का निमंत्रण है

पद 9, “यीशु वहाँ से आगे बढ़कर मत्ती नामक एक मनुष्य को महसूल की चौकी पर बैठे देखा, यहाँ

बुलाहट है, “मेरे पीछे हो ले,” उसने उससे कहा, और मत्ती ने उठकर उसके पीछे हो लिया। यीशु मत्ती को अपने साथ चलने, उसके साथ करीब रहने, उससे सब कुछ सीखने और उसके जैसा बनने के लिए बुला रहा था। यीशु के इतने करीब रहना और उससे हर दिन सीखना कितनी बड़ी आशीष है। उसके प्रेम, त्याग, सेवा, विनम्रता और शक्ति में और गहराई से उतरना सब में अद्भुत है। उसी तरह, जैसे हम यीशु की वाणी का अनुसरण करते हैं, हमारा चरित्र और हमारा जीवन परमेश्वर की महिमा के लिए फल देने लगता है। यीशु आपको और मुझे भी बुला रहा है — “मेरे पीछे हो ले।”

तीसरा, “मेरे पीछे हो ले” यीशु का एक वादा है कि जब हम उसके पीछे चलेंगे तो वह हमारे जीवन के लिए जिम्मेदार होगा।

यीशु सर्वशक्तिमान परमेश्वर है। इसका अर्थ है कि उसके पास हमारी देखभाल करने की शक्ति और अधिकार है। वह पवित्र आत्मा के भरपूर फल लाने में हमारी मदद करने की प्रतिज्ञा करता है। वह हमें शक्ति प्रदान करता है, ताकि हम शक्तिशाली तरीके से परमेश्वर की सेवा कर सकें। इसलिए, जब हम यीशु के पीछे चलने का फैसला करते हैं, तो हम उसकी शक्ति पर भरोसा कर सकते हैं जो हमारे जीवन को फलदायी बनाती है।

अपने जीवन के अंत तक यीशु का अनुसरण करना — हमारे निजी जीवन में और हमारे सेवक जीवन में। मैथ्यू ने यीशु की बातों पर क्या प्रतिक्रिया दी?

“मत्ती उठा और उसके पीछे हो लिया।”

कितना आसान वाक्य है — परन्तु यह कितना शक्तिशाली है। मत्ती ने यीशु की बुलाहट को सुना और एक पल के लिए भी हिचकिचाया नहीं। उसमें संदेह नहीं किया। भले ही यीशु के पीछे चलने का मतलब महसूल लेने की अपनी नौकरी छोड़ना और शायद गरीबी का जीवन चुनना था, परन्तु उसने इस फैसले को लेकर कोई मुश्किल नहीं उठाई। फिर भी, वह पीछे नहीं हटा। वह तुरंत वहीं से उठा और यीशु के पीछे हो लिया।

समर्पण का यह कितना अद्भुत काम है। मत्ती ने यह फैसला कैसे लिया?

ऐसा इसलिए था क्योंकि उसे यीशु पर पूरा

भरोसा था। उसने यीशु के प्रेम को महसूस किया! उसे विश्वास था कि यीशु उसका जीवन बदल सकता है और उसे सच्चा आनन्द दे सकता है। इसीलिए वह बिना देर किए उनके पीछे चल सका।

क्या आप मत्ती की तरह तुरंत यीशु के पीछे चलने के लिए तैयार हैं?

सबने उस पर उंगली उठाई, उसे पापी कहा। परन्तु यीशु ने उसे अपना शिष्य बनने के लिए बुलाया और उस बुलाहट के द्वारा मत्ती ने मसीह में एक नया जीवन का आरम्भ किया। उसकी नई जिंदगी तब बहुत खूबसूरती से दिखाई दी जब उसने यीशु को अपने घर रात्रि भोजन पर बुलाया।

जो व्यक्ति कभी अपने लिए जीता था, अब दूसरों को देने और उनकी सेवा करने के लिए जी रहा था। वह कितना शानदार पल था! यीशु अपने चेहों के साथ आया और कई अन्य महसूल लेने वाले भी आए। जो घर कभी खाली लगता था, वह अब मेहमानों से भर गया था, इतने सारे लोगों से घिरा हुआ, उसका हृदय खुशी और आनंद से भर गया। यह हमारी जिंदगी में भी सच है। उसके पीछे चलने, उसके लिए सब कुछ छोड़कर उसके पीछे चलने और उनके बड़े उद्देश्य के लिए उसकी इच्छा पूरी करने की खुशी।

पीछे न मुड़ना — लूका 9:57–62— पद 57 एक व्यक्ति ने उससे कहा, “जहाँ जहाँ तू जाएगा, मैं तेरे पीछे हो लूँगा” पद 59। दूसरे ने उसने कहा, “मेरे पीछे हो ले” परन्तु उसने कहा, “हे प्रभु, मुझे पहले जाने दे कि अपने पिता को गाड़ दूँ।” पद 61 दूसरे ने कहा, “हे प्रभु, मैं तेरे पीछे हो लूँगा, पर पहले मुझे जाने दे कि अपने घर के लोगों से विदा ले आऊँ।”

एक शिष्य के रूप में, स्वयं का इन्कार करना होगा, मत्ती 16:24 तब यीशु ने अपने शिष्यों से कहा “यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे, तो वह अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले।”

यूहन्ना 8:12 जो कोई मेरे पीछे हो ले वह अन्धकार में न चलेगा

यीशु के चेहों का जीवन — निःसंदेह यीशु की सेवा के दौरान जरूरी कामों में शामिल हुए, उसकी बुलाहट ही असल में धर्मग्रंथ में उसके

बारे में एकमात्र कहानी है। मत्ती चुपचाप यीशु के साथ जाता है और अक्सर उसका खास तौर पर जिक्र नहीं होता। परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि उसकी भूमिका जरूरी नहीं थी। वह शायद एक मन मोह लेने वाला वाचक था, जो अपने आस-पास हो रही घटनाओं पर ज्यादा ध्यान देता था।

यीशु के स्वर्ग जाने के बाद का जीवन — एक प्रेरित, यीशु के स्वर्गरोहण के बाद भी दूसरों को मसीह के बारे में बताने के लिए दूसरे प्रेरितों के साथ काम करता रहा। आरम्भिक सदी में वह पर्शिया, मकिदुनिया, सीरिया और इथियोपिया गया। उसने गैर-यहूदियों के बीच एक प्रचारक के तौर पर काम किया, और उन्हें यीशु का सुसमाचार सुनया। “बाद में वह पार्थिया गया, जहाँ लगभग 60 साल की उम्र में तलवार से मारा गया।” मत्ती न सिर्फ एक विश्वासयोग्य प्रेरित था, जो मसीह की सेवा कर रहा था, बल्कि उसने सुसमाचार की कहानी भी लिखी, जिससे सदियों से विश्वास करने वाले लोग मत्ती रचित सुसमाचार को एक साथ पढ़ते रहे।

यीशु के पीछे चलने और उसकी आज्ञा मानने में रुकावटें...

आंतरिक बाधाएँ — (व्यक्तिगत संघर्ष): भय एवं असुरक्षा, “शरीर” और “घमंड” — परमेश्वर के बजाय स्वयं पर भरोसा करने का लालच। संसारिक चीजों से लगाव — चीजें, आराम एवं व्यक्तिगत खुशी की चाहत सम्पूर्ण समर्पण में रुकावट डाल सकती है। प्राथमिकता की कमी — ध्यान केन्द्रित करने में मुश्किलें।

बाहरी रुकावटें — विरोध और जुल्म — दूसरों का सामाजिक दबाव, समाज में बुरे असर और मित्रों का दबाव जो सही रास्ते पर चलने से रोकती है। मूल्यों को गलत समझना — समर्पण के लिए अपने आराम को छोड़ना पड़ता है, जिसे मानना मुश्किल होता है।

बाधाओं पर विजय पाना — दृष्टिकोण को बदलना — मुश्किलों को आगे बढ़ने के मौके के तौर पर देखना,

आंतरिक बदलाव — प्रार्थना, ध्यान और परमेश्वर की अनुग्रह पर भरोसा करके आध्यात्मिक शक्ति को बढ़ाना।

“मूल्य गिनना” — यह स्वीकार करना कि हालांकि रास्ता कठिन है, परन्तु अंततः यह उसका अनुसरण न करने से अधिक फायदेमंद है।

मत्ती के जीवन से हम एक बड़ी सीख — यह है कि कोई भी जीवनशैली में परिवर्तन करना ज्यादा मुश्किल नहीं है। मत्ती जैसा महसूल लेने वाला अपने साथी यहूदियों की नजर में धरती का मेल जैसा था। उसने यीशु का अनुयायी बनने और यीशु के सबसे करीबी साथियों में से एक बनने के लिए सब कुछ छोड़ दिया। जब उसने यीशु के अनेसरण करने का निर्णय लिया, तो उसके जीवन में फल आने लगा। यीशु हम सब के लिए भी यही चाहता है। वह चाहता है कि जब हम उनके पीछे चलें तो हमें बहुत फल मिले। “मेरे पीछे हो ले।” मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम यीशु की यह आवाज सुनें और आखिर तक उसके सच्चे शिष्यों की तरह जीवन बिताएँ।

समापन शब्द

यीशु को इस बात की परवाह नहीं है कि हमने कितनी बड़ी गलती की है। हमने चाहे कुछ भी किया हो, हम उसकी नजर में बराबर हैं। वह हमसे प्रेम करता है, हमारी योग्यता देखता है और हमारे सबसे करीबी मित्र बनना चाहता है। हमें प्रसिद्ध होने की जरूरत नहीं है। हमें स्मार्ट होने की जरूरत नहीं है। हमें किसी को पसंद आने की जरूरत नहीं है। परन्तु इसका मतलब यह नहीं है कि हम परमेश्वर के लिए बेकार हैं। अक्सर, परमेश्वर के हमारे जीवन को बेहतर बनाने का नतीजा उसकी बड़ाई और भी ज्यादा कर सकता है। जब हम उस बुलाहट का पालन करते हैं, तो हम स्वयं को बढ़ने और बदलने दे सकते हैं। इस घटना से मत्ती का जीवन बदल गया और वह आखिरकार यीशु के लिए एक मजबूत गवाह बना। हम भी, यीशु के लिए एक महान गवाह बन सकते हैं, यदि हम उसे हमारी अगुवाई करने का अधिकार दें।

“परमेश्वर अधिक विश्वास करने वाले को ढूँढ़ता नहीं है, परन्तु ऐसे लोगों को ढूँढ़ता है जो उसके पीछे चलने के लिए तैयार हो।” — हडसन टेलर

रेव. सोलोमोन ज्ञानशेखर जे.

सचिव — मिशन क्षेत्र



भरपूर आशीष

राष्ट्र को

प्रिये भाईयों एवं बहनो

परमेश्वर का दिया हुआ दर्शन से प्रेरित होकर, FMPB ने 1967 में अपना पहला मिशन क्षेत्र खोलकर एक साहस एवं परिवर्तनकारी मिशन की यात्रा पर विश्वास के साथ कदम बढ़ाया। आज, हम आश्चर्य होते हैं जब हम देखते हैं कि कैसे लोगों का जीवन बदल रहा है, समुदायों को छू रही है, और देश भर के अलग-अलग मिशन क्षेत्र में FMPB के द्वारा परमेश्वर का हाथ स्पष्ट तरीके से काम कर रहा है।

परमेश्वर ने मालतो लोगों के बीच में चमत्कार, संथाल चमत्कार, पंजाब का चमत्कार और दक्षिण गुजरात का चमत्कार महसूस करने लायक बनाया। ये परमेश्वर की धरती पर परमेश्वर का सामर्थ्य दिखने वाले और ठोस निशान हैं और परमेश्वर की आशीष परमेश्वर के लोगों पर आशीर्वाद। ये चमत्कार इसलिए मुमकीन हुआ है क्योंकि परमेश्वर की उपस्थिति हमारे साथ है। हमें पूरा भरोसा है कि आगामी दिनों में पूरे देश को प्रभावित करने वाले ऐसे और चमत्कार होंगे।

दक्षिण गुजरात चमत्कार — परिवर्तन के 50 साल

50 वर्षों के पहले, परमेश्वर ने FMPB को गुजरात में अपनी पहचान बनाने में सहायता की। एक दूर राज्य में मिशन का काम शुरू करना एक साहसी एवं अहम फैसला था, जहाँ भाषा और संस्कृति बहुत भिन्न था। आज, जब हम गुजरात में सेवकाई की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, तो हम आदिवासी समुदायों पर जबरदस्त प्रभाव देख रहे हैं। यह कितना बड़ा मील का पथर है!

समर्पण, लगन और प्रार्थना से, इस सेवकाई ने हमेशा के लिए आध्यात्मिक, सामाजिक और शारीरिक बदलाव को लेकर आया है, विशेषकर कुकना, वारली, वसावा, भील और गमित जनसमूह के मध्य में। यह बहुत अच्छी बात है कि परमेश्वर ने FMPB को गुजरात में लगभग 450 चर्च और मण्डलियों का गठन करने में मदद की, और हम इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।

सच्चा मिशन अगुवों को तैयार करता है, परिवारों को बदलता है, और आशा एवं नए उद्देश्यों के साथ पीढ़ियों पर प्रभाव डालता है। जब हम पौधे लगाते हैं, तो परमेश्वर उसको बढ़ाता हैं। जब हम आत्मसमर्पण करते हैं, तो परमेश्वर बढ़ाता है। जब हम भरोसा करते हैं, तो परमेश्वर परिवर्तन लाता है।

डांग्स जिले और आस-पास के आदिवासी इलाकों में जाईए, जहाँ FMPB पिछले 50 सालों से काम कर रहा है, और स्वयं देखिए कि किस प्रकार परमेश्वर ने FMPB का इस्तेमाल आदिवासी समुदायों में पूरी तरह

परिवर्तन लाने के लिए किया है। इसका प्रभाव बहुत बड़ा एवं जबरदस्त है।

जिन परिवारों के माता-पिता को कभी स्कूल जाने का मौका नहीं मिला, अब वे अपने बच्चों को पहली पीढ़ी के स्नातक और स्नाकोत्तर के तौर पर आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। FMPB द्वारा चलाए जा रहे संत थॉमस इंग्लिश स्कूल के जरिए, कई बच्चे डॉक्टर, एम.एल.ए., पंचायत अध्यक्ष, इंजीनियर, टीचर, सरकारी कर्मचारी, नर्स और बिजनेस लीडर बने हैं। इससे भी ज्यादा, परमेश्वर के बच्चों के तौर पर, उन्हें अपने जीवन का अर्थ एवं उद्देश्य प्राप्त हुआ है।

इससे हमारा हृदय आनन्दित है और हम परमेश्वर का शुक्रिया अदा करते हैं कि FMPB के संत थॉमस इंग्लिश स्कूल के छह स्टूडेंट्स को MBBS प्रोग्राम में दाखिला मिला है। ये पहली पीढ़ी के आदिवासी स्टूडेंट्स हैं, जिन्हें KG से 12वीं क्लास तक हमारे हॉस्टल में पाला गया और उन्होंने हमारे स्कूल में पढ़ाई की। उनमें से कुछ अपने माता-पिता के साथ आए और स्वर्ण जयंती उत्सव के दौरान अपनी आनन्द भरी बातों को बताए। यह परमेश्वर का किया हुआ है। एक छोटी सी शुरुआत से लेकर एक परिवर्तन लाने वाले और प्रभावशाली आन्दोलन तक, दक्षिण गुजरात का चमत्कार बस हैरान करने वाला है।

स्वर्ण जयंती समारोह

जो एक छोटी सी शुरुआत थी, वह एक उत्सहपूर्ण एवं प्रभावशाली काम में बदल गई, जिसका कई पीढ़ियों तक बहुत फायदा हुआ। इसका प्रभाव सिर्फ गिनती का नहीं है — यह पीढ़ियों तक और बदलाव लाने वाला है। भजन 78 हमें स्मरण दिलाता है कि हमें अगली पीढ़ी को बताना चाहिए कि प्रभु ने क्या महान काम किए हैं। 24 से 26 जनवरी 2026 तक FMPB गुजरात स्वर्ण जयंती समारोह इसी बारे में है।

यह वास्तव में आध्यात्मिक गहराई, एकता और उत्सव से भरपूर एक ऐतिहासिक आयोजन था। सी. एन. आई. के मोडरेटर महा मान्यवर डा. परिताष केनिंग एवं गुजरात के सी. एन. आई. बिशप महामान्यवर डॉ. सिल्वांस एस. क्रिश्चियन की उपस्थिति ने सभा में अपार आनन्द और सम्मान का संचार किया। दोनों अगुवों ने परमेश्वर के वचन से प्रेरणादायक एवं चुनौतिपूर्ण संदेश दिए, जिससे सभा का विश्वास में दृढ़ रहने और उन्हें सौंपे गए मिशन के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रोत्साहन मिला।

जब इसमें कई चर्च लीडर्स, मिशन लीडर्स, मिशनरी और गुजरात मिशन फील्ड के हजारों परिवारों ने सभा में हिस्सा, तो इस अवसर को और भी खास बनाया जिनकी मौजूदगी ने परमेश्वर के काम के लिए एक जैसा नजरिया और मिलकर काम करने का वादा दिखाया। इस समारोह ने सच में अतीत का सम्मान किया, वर्तमान को मजबूत किया, और पक्के विश्वास, पूरे हृदय से सेवा एवं परमेश्वर की बुलाहट से रोशन भविष्य के लिए एक नजरिया जगाया।

इस समारोह की अहमियत को और बढ़ाते हुए FMPB के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, महासचिव एवं एग्जीक्यूटिव कमेटी के मेंबर्स ने तीनों दिन समारोह में हिस्सा लिया। छात्रों और युवाओं को अपने भाषण में, FMPB के अध्यक्ष ने उत्साह के साथ उन्हें परमेश्वर की दी हुई बुलाहट और जीवन के उद्देश्य को पहचानने की चुनौती दी। उन्होंने उन्हें अपनी पढ़ाई में अच्छा करने और अपना दर्शन ऊँचा रखने के लिए कहा — उन्हें IAS और IPS ऑफिसर, मिनिस्टर और चीफ मिनिस्टर, वाइस चांसलर और साइटिस्ट बनने की खाहिश रखने के लिए बढ़ावा दिया — और उनसे देश के निर्माण में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने और बेहतरीन और ईमानदारी से समाज की सेवा करने की अपील की।

धन्यवाद मॉडरेटर | धन्यवाद बिशप |

इन स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान, गुजरात में रहने वाले 50 मिशनरियों का, जिनमें पाँच महिलाएँ भी थीं, गुजरात के बिशप ने पुरोहिताभिषेक किया, और 50 समर्पित युवाओं को प्रचारक के तौर पर नियुक्त किया गया। समाज के लिए एक बड़ा



आशीर्वाद बनने के लिए, हम गुजरात में नए मिशन क्षेत्र, एक नया इंग्लिश मीडियम स्कूल, एक नर्सिंग कॉलेज, दो छात्रावास और एक लीडरशिप ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू करेंगे। इसे मनाने के लिए, मॉडरेटर, बिशप, FMPB प्रेसिडेंट और FMPB के महा सचिव ने नींव के पत्थर रखे। हम FMPB को उनके जबरदस्त सपोर्ट के लिए CNI के मॉडरेटर और गुजरात के CNI बिशप का हृदय से शुक्रिया अदा करते हैं।

हमें खुशी है कि FMPB और CNI के बीच मिशन में एक बड़ी साझेदारी है, और इसी के हिसाब से, कुछ साल पहले FMPB ने साझेदारी में मिशन को आगे बढ़ाने के लिए 210 चर्चों को CNI गुजरात

डायोसीस के साथ जोड़ा था। हम मिशन को बनाने में इस साझेदारी को जारी रखना और बढ़ाना चाहते हैं।

आप दूसरों के लिए क्या कर रहे हैं?

डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा, “जिंदगी का सबसे लगातार और जरूरी सवाल है, ‘आप दूसरों के लिए क्या कर रहे हैं?’” उनके शब्द हमें स्मरण दिलाता है कि स्वयं पर ध्यान देने वाला जीवन अधूरा है, और सच्चा आनंद स्वयं से परे दूसरों की सेवा करने में मिलती है। यह सिद्धांत कई सालों से FMPB की मिनिस्ट्री के हृदय में रहा है और पूरे देश में इसके काम का केंद्र बना हुआ है।

हमें पूरा यकीन है कि एक देश तब मजबूत होता है जब वह कमजोर लोगों की परवाह करता है; एक देश तब अमीर बनता है जब वह गरीबों की परवाह करता है; एक देश तब अजेय बनता है जब वह कमजोर लोगों की परवाह करता है; एक देश तब महान बनता है जब वह अपने लोगों की जिंदगी में नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को बनाए रखता है। यही वजह है कि FMPB कमजोर लोगों की परवाह करता है और आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों को बनाए रखता है। हम स्वर्गीय मूल्यों के साथ देश को बदलने में शामिल होते रहेंगे।

शाबाश, मिशनरियों!

हम गुजरात आए और इस मिशन को लगन और त्याग से बनाने वाले सभी मिशनरियों के भले काम के लिए शुक्रगुजार हैं। यह FMPB के उस समय के महासचिव भाई एमिल जेबासिंह और भाई एबी सुंदरराज जो उस समय नॉर्थ इंडिया के फील्ड डायरेक्टर थे का दर्शन था। इनका गुजरात समेत उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों में मिशन क्षेत्र को शुरू करने का बहुत बड़ा दर्शन था।

हम गुजरात में आने वाले अग्रगामी मिशनरियों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं, जिनमें भाई SD पोन्नराज, भाई एबेनेजर दासन, भाई पॉलराज, भाई बेन ओलिवर, भाई इम्राएल देवदास, भाई जॉनसन बरनबास, सुश्री मैरी स्टेला, सुश्री मैरी एंथोनियामल और रेह. एस. अरुलराज, श्री नेसामानी श्री विक्टर मुरुगेसन, श्री नथानियल लोगराज शामिल थे जिन्होंने मिशन का काम शुरू किया। हम बाईबल के जाने-माने अनुवादक अलाइवामी पॉल एवं श्री एस. राजेंद्रन के भी शुक्रगुजार हैं। हम भाई पैट्रिक जोशुआ, भाई सामम कमलेशन, भाई पी. सामुएल, डॉ. चंद्रशेखर और दूसरे अगुवों की शानदार नंतुत्व का भी सम्मान करते हैं जिन्होंने गुजरात में मिशन को आगे बढ़ाने में मदद की।

अगुवों का निर्माण, राष्ट्र का निर्माण

परमेश्वर को ए.एम.पी.बी. को परमेश्वर के बच्चों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने के लिए बुलाया है जो समाज और देश पर बाईबिल के मूल्यों से असर डाल सके। अगर हम इसमें सफल होते हैं, तो देश सफल होगा।

गुजरात, झारखंड, पंजाब और दूसरी जगहों पर मिशन के काम से हिम्मत पाकर, हम हिम्मत से कह सकते हैं कि FMPB आदिवासी समुदायों और पिछड़े समाजों से ऐसे अगुवों को उभरने की उम्मीद करता है – ऐसे पुरुष और महिलाएँ जो विश्वास, ईमानदारी और हिम्मत से बने हों। हमें पूरा यकीन है कि इन समुदायों से महात्मा गाँधी और मदर टेरेसा, नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग जूनियर, लेमा, लाइबेरिया के गबोवी और बिशप डेसमंड टुडू जैसे महान और अच्छे अगुवे निकलेंगे। अगर FMPB सफलता से पहले चरित्र



निर्माण, पद से पहले सेवा और महत्वाकांक्षा से पहले सत्य को गढ़ने में इमानदारी से निवेश करता है, तो परिपर्तित जीवन समुदायों को बदल देगी — और बदले हुए समुदाय देश को आशीष प्रदान करेंगे।

परमेश्वर ने एफ.एम.पी.बी. आनछोलन के साथ-साथ हममें से हर एक को देश के लिए एक भरपूर आशीर्वाद बनने के लिए बुलाया है। भजन लिखने वाले ने, भजन 23:5 में, शांत आत्मविश्वास और गहरे आभार के साथ कहा है: “मेरा प्याला उमड़ रहा है।” FMPB को अपने 300 मिशन क्षेत्र के दायरे से आगे

देखना चाहिए; बल्कि, FMPB को चर्च के साथ मिलकर काम करते हुए, पूरे देश पर प्रभाव डालने का एक बड़ा नजरिया रखने की जरूरत है।

राष्ट्र के लिए भरपूर आशीष

मित्रों, ज्यादा होने का मकसद कभी भी जमा करना नहीं होता। परमेश्वर हमें इसलिए आशीर्वाद नहीं देते कि हम उनके दानों को जमा करते रहें। एक छलकता हुआ प्याला दूसरों की जिंदगी में उंडेलने के लिए होता है।

यह —कृपा, दया, प्यार का जरिया, और एक आशा बनने की बुलाहट है।

पेरियामलाई से पेंट मिशन फील्ड तक, पंजाब से गुजरात तक, और मालतो से संथाल तक, परमेश्वर चुपचाप परन्तु ताकत से उम्मीद, ठीक होने और पुनर्स्थापना की कहानियाँ लिख रहे हैं — जो अक्सर दुनियाँ को दिखाई नहीं देतीं, परन्तु स्वर्ग से कभी अनदेखी नहीं होतीं।

बीमारों को चंगा करने के लिए तैयार रहें।

देश के नेताओं के नैतिक मूल्यों के लिए प्रार्थना करने के लिए तैयार रहें।

गरीबों और दबे-कुचले लोगों को गले लगाने के लिए तैयार रहें।

शांति, अहिंसा और प्रेम की बात करने के लिए तैयार रहें।

जहाँ दरवाजे खुले हैं, वहाँ सुसमाचार करने के लिए तैयार रहें।

समाज को निराशा और हताशा से बाहर निकालने के लिए तैयार रहें।

अपने श्रोतों को त्याग और खुशी से बाँटने करने के लिए तैयार रहें।

उन्हें अपनी बातों और कामों से परमेश्वर का प्यार दिखाने के लिए तैयार रहें।

हम सब मिलकर निराशा के बीच उम्मीद की कहानियाँ बना रहे हैं। टूटी हुई दुनियाँ में अच्छाई की चमक की कहानियाँ, सजा पर दया की जीत की कहानियाँ, और जश्न, पुनर्स्थापना और ठीक होने की कहानियाँ।

परमेश्वर की दिव्य दृष्टि के साथ तालमेल बिठाना

एफ. एम.पी.बी. एक ‘छत की खपरे को तोड़ने वाला’ बनने के लिए सचेत कदम उठर रहा है ताकि वंचित और पिछड़े लोग खुशी से उठ खड़े हों और उछलकूद कर सकें— जैसे लकवाग्रस्त व्यक्ति को छत के रास्ते से यीशु के पास लाया गया था। हमारे समाज में गरीब और जरूरतमंद लोगों को ऊपर उठाने के लिए प्रेम, दर्शन, समर्पण एवं अच्छे शासन की जरूरत है।

FMPB पूरी हिम्मत से परमेश्वर के दिव्य दर्शन के साथ पृथ्वी पर उनके राज की स्थापना करने के लिए जुड़ रहा है —एक ऐसा राज जो सच्चाई पर बना हो। एक ऐसा राज जो न्याय पर टिका हो। एक ऐसा राज जो दया, सम्मान एवं अनंत जीवन से पहचाना जाता हो।

आपकी मौजूदगी मायने रखती है। आपकी आज्ञाकारिता मायने रखता है। आपका शामिल होना मायने रखता है।

जब आपका प्याला भर जाए, तो किसी और का प्याला भर दें। देश के लिए एक उमड़ता हुआ आशीर्वाद बनें। जाएँ या भेजें, शामिल हों, और परमेश्वर की बुलाहट का पालन करें।

श्री जॉन सामुएल, अध्यक्ष — एफ.एम.पी.बी.



एफ.एम.पी.बी. गुजरात स्वर्ण जयंती समारोह



परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के पचास वर्षों का उत्सव

हमारे परमेश्वर की असीम कृपा से गुजरात राज्य में समर्पित मिशन और सेवा के पचास साल पूरे होने पर FMPB गुजरात का स्वर्ण जयंती समारोह 24 से 26 जनवरी 2026 तक प्रार्थना और सफलता के साथ मनाया गया। उत्सव का हर दिन भगवान के प्रति आभार, उनके मार्गदर्शन की याद और भविष्य के लिए नए समर्पण को दिखाता था।

पहला दिन - 24 जनवरी 2026

सिलवासा मिशन क्षेत्र, करचोंड

स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ 24 जनवरी 2026 को सिलवासा मिशन क्षेत्र के करचोंड में आरम्भ हुआ, जिसका प्रथम दिवस सम्मेलन प्रातः 10:00 बजे संध्या 04:00 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मिशन क्षेत्र के मिशनरी द्वारा प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें इस ऐतिहासिक अवसर पर परमेश्वर की उपस्थिति और आशीषों की कामना की गई।



इसके बाद संगीत दल ने आराधना का संचालन किया, जिससे लोगों ने हृदय से तारीफ की और श्रुक्रिया अदा किया। सह्यद्री इलाके के मिशनरियों ने मेहमानों का माला और यादगार तोहफे देकर गर्मजोशी से स्वागत किया। वरिष्ठ सेवानिवृत्त मिशनरियों ने अपनी सेवा के अनुभव के बारे में बताया और दशकों की विश्वासयोग्य सेवा के जरिए परमेश्वर की कृपा को प्रदर्शित किया।

अरावली क्षेत्रीय सचिव ने गुजरात मिनिस्ट्री का इतिहास बताया, पिछले पचास सालों की चुनौतियों, त्याग और ख़ास पड़ावों को याद किया। दिन की एक विशेष बात मिशन के आने वाले कामों का शिलान्यास था, जिसमें आहवा में बच्चों का हॉस्टल, खेरगाम में LTI और खेरगाम में CTC शामिल हैं।

विशेष अथितियों ने स्वर्ण जयंती की संस्मरण पुस्तक समर्पित की। लगभग 4,500 विश्वासीगण

परमेश्वर के नाम की बड़ाई करने के लिए इकट्ठा हुए थे। गुजरात में सेवा कर चुके मिशनरियों, परमेश्वर के सेवानिवृत्त मिशनरियों, सेवकों, संस्थाओं के अगुवों और पूरे भारत से आए मिशनरियों की मौजूदगी ने इस उत्सव को और भी ज्यादा आध्यात्मिक बना दिया।

CNI के बिशप और डिप्टी मॉडरेटर, महा मान्यवर

डॉ. सिल्वंस एस. क्रिश्चियन, इस मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर आए और उन्होंने परमेश्वर के वचन से एक खास संदेश दिया। पहला दिन खुशीके साथ एक प्रेम भोज, मेलमिलाप एवं धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुआ।

शाम को, बोंटा चर्च में एक पवित्र ऑर्डिनेशन सर्विस रखी गई, जिसमें 50 मिशनरियों और प्रचारकों का ऑर्डिनेशन कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। यह सर्विस महा मान्यवर बिशप डॉ. सिल्वंस एस. क्रिश्चियन ने प्रार्थना के साथ की। इसे कार्यक्रम ने उत्सव को एक बहुत ही आध्यात्मिक और स्मरणीय अवसर बनाया। इस पवित्र पल के लिए हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं।



दूसरा दिन - 25 जनवरी 2026

संत थॉमस इंग्लिश स्कूल, झावड़ा

स्वर्ण जयंती का दूसरा दिन सेलिब्रेशन का संत थॉमस इंग्लिश स्कूल, झावड़ा में आयोजित किया गया। इस दिन में आराधना, धन्यवाद, और परमेश्वर की शैक्षिक एवं मिशनरी गतिविधियों का माध्यम से दिखाई गई निष्ठा पर चिंतन मनन किया गया।

दिन की शुरुआत रविवारीय आराधना के द्वारा हुई, जिसमें स्तुति, आराधना, पापांगीकार और प्रार्थना शामिल थी। गाना बजाने वालों और छात्रों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे आध्यात्मिक रूप से अच्छा माहौल बना। आराधना के दौरान दि गए संदेश में मसीही चरित्र, समर्पण और आने वाली पीढ़ियों को विश्वास और अनुशासन में पालने की जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।

एफ.एम.पी.बी. के अध्यक्ष श्री जॉन सामुएल ने एक प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने छात्रों एवं युवाओं को परमेश्वर के मूल्यों और बेहतरीन जिंदगी जीने के लिए बढ़ावा दिया। उनके संदेश ने शिक्षा को एक ऐसी सेवा में बदलने के लिए एक मार्गदर्शक दर्शन का काम किया जो चरित्र और विश्वास को आकार प्रदान करती है।

स्थानीय विधायक श्री मोहन भाई कोंकानी ने विशेष अभिनंदन प्रस्तुत किए और क्षेत्रीय एवं सामाजिक विकास में संत थॉमस इंग्लिश स्कूल एवं एफ. एम.पी.बी. के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया।

दिन के आखिरी पलों में दो प्रमुख उपलब्धियाँ प्राप्त हुईं।

गुजरात के आदिवासी समुदायों के समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक एफ.एम.पी.बी. के इतिहास को संरक्षित करने के लिए संग्रहालय का उद्घाटन।

प्रेम भोज एकता, भाईचारा और ईश्वर के प्रति धन्यवाद का प्रतीक रहा।

तीसरा दिन - 26 जनवरी 2026

फोकडी, नेत्रंग

रुवर्ण जयंती समारोह का आखिरी दिन नेत्रंग के फोकडी में हुआ। क्योंकि यह गणतंत्र दिवस था, इसलिए कार्यक्रम की शुरुआत FMPB के अध्यक्ष श्री जॉन सामुएल के इंडा फहराने से हुई, जिसके बाद मॉडरेटर और डिप्टी मॉडरेटर की अगुवाई में एक पवित्र जुलूस निकाला गया। इसमें कबूतर छोड़ने की रस्म शांति, उम्मीद और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन का प्रतीक था। उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं महासचिव रेव. विजय इसाहक ने बधाई दी लोगों को बधाई दी। सी. एन. आई. के मॉडरेटर ने एक चुनौतिपूर्ण एवं प्रेरणादायक संदेश दिए, जिसमें कलीसिया से नए सिरे से निष्ठा और प्रतिबद्धता का आह्वान था। समारोह का समापन आधारशिला रखने के समारोह के साथ हुआ, जो मिशन एवं सेवकाई में एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

निष्कर्ष

FMPB गुजरात स्वर्ण जयंती समारोह पिछले पचास सालों में परमेश्वर की कभी न खत्म होने वाली कृपा का एक मजबूत सबूत रहा है। परमेश्वर के लोगों ने हृदय से शुक्रिया अदा करते हुए उनकी अगुवाई, सुरक्षा और बहुतायत की आशीषों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दिया। सारी महिमा, सम्मान और धन्यवाद हमारे परमेश्वर ही का है, जिन्होंने विश्वासयोग्यता के साथ इस मिशन का नेतृत्व किया और आने वाले वर्षों में भी इसकी अगुवाई करता रहेगा।

“यहाँ तक यहोवा ने हमारी सहायता की है।” (1शमूएल 7:12)

रेव. इसाहक राजा डी, सचिव पश्चिमी अंचल

मिशनरी समर्पण

18 जनवरी 2026 की शाम को माचा बोलारम स्थित अल्फा एंड ओमेगा कलीसिया का पवित्र स्थान चर्च कृतज्ञता, श्रद्धा और नए उत्साह से भर गया था, क्योंकि चर्च में मिशनरी समर्पण कार्यक्रम की मेजबानी थी। कार्यक्रम की शुरुआत हृदय को छू लेने मिशनरी के जीवन के अनुभव से हुई, जिसमें उन्होंने अपने ईश्वरीय बुलाहट और विश्वास के बारे में बताया था। इसके बाद पादरी ने एक सशक्त एवं

उत्साहवर्धक संदेश दिया, जिसमें उन्होंने चर्च को प्रार्थना, दान और परमेश्वर की बुलाहट का पालन करके मिशनों को समर्थन करने की जिम्मेदारी याद दिलाई।

संध्या के समय का मुख्य आकर्षण मिशनरी समर्पण समारोह था, जिसका नेतृत्व पाँच पुरोहितों ने किया। प्रार्थना पूर्वक हाथ जोड़कर पूर्ण समर्पण भाव से, मिश्रियों को परमेश्वर की सेवकाई के लिए समर्पित किए गए। शाम का समापन एक आशीर्षित एवं स्मरणीय समय के रूप में हुआ, जिससे कलीसिया को प्रोत्साहन मिला, और परमेश्वर के मिशन के लिए प्रार्थना करने, समर्थन करने और भाग लेने के उद्देश्य से एकजुटता का भाव प्राप्त हुआ।

एफ.एम.पी.बी. परिवार, सिकंदराबाद

स्वर्ण जयंती पुरोहिताभिषेक समारोह

एक पवित्र बुलाहट एवं महिलाओं के सशक्तिकरण का जश्न

24 जनवरी की शाम को, स्वर्ण जयंती समारोह के हिस्से के तौर पर, बोंटा कलीसिया में एक पवित्र और दया से भरी पुरोहिताभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का संचालन महा—मान्यवर बिशप डॉ. सिल्वंस क्रिश्चियन, CNI बिशप सह उत्तर भारत की कलरसिया के उप मॉडरेटर ने किया। इस ऐतिहासिक सेवा के दौरान, सेवकाई के लिए 50 मिशनरियों का पुरोहिताभिषेक किया गया, जिसमें 33 डीकन और 17 पुरोहितगण शामिल थे। खास बात यह है कि अभिषेक किए गए 33 डीकन में से पाँच महिला मिशनरी थीं, जो सभी FMPB गुजरात में विश्वासयोग्यता के सेवा कर रही हैं। उनका अभिषेक किया जाना परमेश्वर के सबको साथ लेकर चलने की बुलाहट एवं पवित्र आत्मा की अगुवाई के प्रति कलीसिया की आज्ञाकारिता का एक स्पष्ट संकेत है।

इस पवित्र अवसर ने इस बात को स्पष्ट रूप से साबित किया कि परमेश्वर अपने सेवकों को मानवीय सीमाओं से नहीं, बल्कि परमेश्वर के मकसद से बुलाते और कार्य प्रदान करते हैं। जबकि महिला दिवस समाज में महिलाओं की सम्मान, अधिकार और कामयाबियों का जश्न मनाता है, यह अभिषेक इससे भी ज्यादा गहरी थी — यह एक आध्यात्मिक मजबूती थी, जिसमें महिलाओं को परमेश्वर के उद्धार के मिशन में चुने हुए बर्तन के तौर पर माना गया। स्वर्ण जयंती के दौरान महिला मिशनरियों की नियुक्ति इस सच्चाई की गवाही देती है कि मसीह में, सेवकाई की बुलाहट वफादारी और आज्ञाकारिता के अनुसार सौंपी जाती है।

जैसा कि पवित्र शास्त्र हमें स्मरण दिलाता है:

“परमेश्वर कहता है, अंत के दिनों में ऐसा होगा के मैं अपना आत्मा सब मनुष्यों पर उड़ेलूँगा, और तुम्हारे बेटे और तुम्हारी बेटियाँ भविष्यवाणी करेंगे।” प्रेरित 2:17

मित्र समाचार | 18 | मार्च 2026



“न कोई नर न नारी, क्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।” गलातियों 3:28

इस ऐतिहासिक अवसर को एक मील के पत्थर के रूप में स्मरण किया जाएगा, जहाँ विश्वास, आज्ञा मानना और लिंग-समावेशी सेवकाई, परमेश्वर की महिमा एवं उसके राज्य की बढ़ोतरी के लिए एक साथ आए।

प्रार्थना बिंदु

1. परमेश्वर की बुलाहट के लिए धन्यवाद: हम स्वर्ण जयंती उत्सव के लिए और पुरुषों एवं महिलाओं को अपनी सेवकाई में बुलाने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।
2. सेवकाई में महिलाओं का सशक्तिकरण: उन पाँच अभिषिक्त महिला मिशनरियों के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करें कि जब वे परमेश्वर के लोगों की सेवा करेंगी लगातार पवित्र आत्मा, हिम्मत, समझदारी और कृपा से भरी रहें।
3. सुरक्षा एवं सामर्थ्य: प्रार्थना करें कि जब ये महिला मिशनरीगण चुनौतिपूर्ण मिशन क्षेत्रों में सेवा करेंगी परमेश्वर उन्हें सुरक्षा प्रदान करे एवं विरोध या निराशा के समय में बल प्रदान करे।
4. फलदायी एवं विश्वासयोग्य सेवा: प्रार्थना करें कि सभी 50 अभिषिक्त सेवकगण अपनी सेवा में लंबे समय तक चलने वाले फल ला सकें और विनम्रता, प्रेम एवं मसीह जैसी दया के साथ सेवा कर सकें।
5. भविष्य की महिला अगुवों को तैयार करना: प्रार्थना करें कि कई युवा महिलाएँ परमेश्वर की बुलाहट को सुनें, विश्वास के साथ आगे बढ़ें, और कलीया एवं मिशन के क्षेत्र में अगुवों के रूप में तैयार हों।

श्रीमती मगदलीन ग्रेस, पश्चिमी अंचल



मिशन क्षेत्र से मिशन प्रभाव तक

पालमनेर मिशन क्षेत्र, चित्तूर क्षेत्र, आंध्र प्रदेश में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर

हम पालमनेर मिशन क्षेत्र में उसके महान कार्यों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। 04 जनवरी 2026 को, अप्पिनपल्ली कलीसिया में, हमारे ही द्वारा मसीह को ग्रहण करने वाले परिवार खुशी के साथ उत्तर भारत में सेवा कर रहे दो FMPB मिशनरियों को प्रायोजित करने के लिए आगे आए। मिशनरी डेडिकेशन सेरेमनी एक अहम और ऐतिहासिक घटना थी। पलामनेर क्षेत्र के

लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है।

श्रीमान एवं श्रीमती विश्वनाथ राजस्थान के खेरवाड़ा में सेवा करने वाले एक मिशनरी को प्रायोजित करते हैं। श्री कृष्णमूर्ति महाराष्ट्र के शिरपुर छात्रावास में सेवा कर रहे एक मिशनरी को सहयोग करते हैं। यह घटना FMPB मिनिस्ट्री के इतिहास में एक शानदार और अर्थपूर्ण मील का पत्थर है। मिशन में, एक मिशन फील्ड — जिसे सपोर्ट मिलता है — से एक मिशन फोर्स — जो सपोर्ट देता है — बनना एक बड़ी आध्यात्मिक सफलता दिखाता है। इस दिन, हमने एक ऐतिहासिक बदलाव देखा जब दो स्थानीय विश्वासियों ने, जिन्हें खुद मिशन के जरिए पाला-पोसा गया था, अपनी मर्जी से मिशनरियों को आर्थिक रूप से सपोर्ट करने की जिम्मेदारी ली।

पालमनेर मिशन क्षेत्र के इतिहास में परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के प्रमाण स्पष्ट रूप से झलकता है। हम प्रार्थना करते हैं कि यह पहला फल कई और लोगों को महान आदेश में अपनी भूमिका पहचानने के लिए प्रेरित करेगा, और यह निश्चित करेगा कि सुसमाचार की रोशनी पालमनेर मिशन क्षेत्र से दुनियाँ के कोने-कोने तक फैलती रहे।

रेव. पौल कुप्पुस्वामी — पालमनेर मिशन क्षेत्र

मार्च

1

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री टिंगगेउ शेम

श्री दलजाकम सुआंतक

श्रीमती सुरभि बीरो अशोक नायक

श्रीमती एल्लाह पामेई शेम

श्री बिनोट समप्रामरी

श्री लुंकिम थोंगकम खोंगसाई

श्री दिटुंगबोऊ के., श्री जयबीर सिंह

श्री लेटखोलुन बइटे, श्री कुलदीप सिंह

श्रीमती तिंंगनेई नेंग सिंगसन

श्री डिहे एस., श्री ओमप्रकाश गुप्ता

श्री थंगवनसांग जी.

श्री जामखोंगम हाओकिप एल.

श्रीमती मार्गरेट सिंह दास

श्री निंगथौजम एलन सिंग

जम्मू

धारः

लुंजलाल सोंथैट एवं मैरी

स्तुति: जीज़स फिल्म सेवकाई के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। काड़ी और दिरेट्टी गाँव के दो परिवारों ने सुसमाचार में सच्ची दिलचस्पी दिखाई। परमशिव को दी गई स्परिचुअल सलाह के लिए जिसकी वजह से वह और उसके तीन मित्र आराधना में विश्वास के साथसे शामिल हो रहे है। देशराज और उसके रिश्तेदारों ने सुसमाचार के लिए अपने हृदयों को खोलें हैं।

प्रार्थना: बिमल प्रकाश के परिवार, सकीलथप्पा और देवराज के लिए प्रार्थना करें कि वे अपना जीवन पूरी तरह से

परमेश्वर को सौंप दें। प्रार्थना करें कि मुकेश को अच्छा काम मिले और परमेश्वर उसके लिए एक योग्य मसीही जीवन साथी प्रदान करे। डार इलाके में आराधना के लिए एक सुरक्षित और सही जगह बनाई जाए, और आध्यात्मिक रूप से जरूरतमंद इस इलाके में विश्वास के साथ सेवा करने के लिए समर्पित स्वयं सेवकों को तैयार किया जा सके।

रामनगरः

जॉन एजुंग एवं लिबेनी जामी

स्तुति: दस नए गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। काफी प्रार्थना के बाद मिले खुले द्वार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। परमेश्वर ने हमारे विश्वासी अशोक के बेटे को विदेश यात्रा के लिए वीजा प्रदान किया। डपलाल गाँव से संजय कुमार और कनाला गाँव से नीतू और निशा के परिवारों के साथ नया सम्पर्क बनाया गया। नीतू और सुदेश विश्वास के साथ सेवकाई में मदद कर रहे हैं।

प्रार्थना: राजकुमार की पत्नी के लिए प्रार्थना करें जो अपने मसीही धर्म का विरोध कर रही है, ताकि वह हमारे प्रभु के प्रेम को महसूस कर सके। हमारे मिशन के उन कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो धार्मिक कट्टरपंथी गुप्स की लगातार निगरानी में रहते हैं। करदोरीलाल की पत्नी के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास की वजह से उसने छोड़ गई है, ताकि वह अपनी गलती समझे और अपने पति के पास लौट आए। प्रार्थना करें कि परमेश्वर अनीता को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करे जो आर्मी में भर्ती होने की तैयारी कर रही है। हमारे विश्वासियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें जो बोर्ड एग्जाम दे रहे हैं, परमेश्वर उन्हें बुद्धि, बल एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करे।

मार्च

2

सोमवार

नारोटः

सियांगलूंगथांग जोरु एवं ल्हिंगनेइहोई

स्तुति: मिनिस्ट्री के विरोध के बावजूद, तीन दिनों की उपवास प्रार्थना सभा बिना किसी परेशानी के शांतिपूर्ण तराके से सम्पन्न किया गया। प्रार्थन करें कि अंजलि को किडनी की पथरी से चंगाई मिले। एक वर्षीय के अभिषेक के चमत्कारिक चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिसका डॉक्टरों ने भी उम्मीद छोड़ दी है। मिशनरियों की 21 दिवसीय उपवास का परमेश्वर ने सम्मान किया जिसके फलस्वरूप नौ नए परिवार कलीसिया में शामिल हुए। पैटीमोर एवं नुंगल क्षेत्र में नई आराधना दल की स्थापना की गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि साबी, रोहित, ऋषिचरदास, बिंदु, डैनियल, जॉर्ज और पारस को ड्रग्स की लत से छुटकारा मिले। पहाड़ी इलाकों में सुसमाचार के लिए द्वार खुलें और सुसमाचार के प्रति विरोध कम हो। गूजर पहाड़ी इलाके में रहने वाले पुराने लोग सुसमाचार में सच्ची दिलचस्पी दिखाए। अर्थी और मनु को संतान की आशीष मिले। विश्वासियों के

बीच समुदाय के आधार पर भेदभाव की भावना दूर हो ताकि वे प्रभु की आराधना में एक हो सकें।

रियासी:

शेख सुभानी एवं एमी बैक्या

स्तुति: परमेश्वर ने बिपिन कुमारी को आग लगने से चमत्कारी तरीके से बचाया। इस इलाके में पहली बार हुए आवकाशकालीन बाईबल पाठशाला लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया। हमारे स्थानीय प्रचारक सुमेश के बेटे को किडनी की बीमारी से चंगाई मिली। परमेश्वर ने ठंड के मौसम में हमारे मिशनरियों को दो बार सड़क हादसों से बचाया।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि परमेश्वर की दया से अंजलि को स्तन कैंसर से, गौरव कुमार को शरीरिक कमजोरी से, राजी प्राइवेट पार्ट में हुए फोड़े से, अर्जुन कुमार को मानसिक अवसाद से और रविंदर को मिर्गी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि सुल गाँव में नई शुरू हुई आराधना में अधिक से अधिक से लोग भाग लें। जिरी गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि अधिक से अधिक लोग मसीह के उद्धार देने वाले शक्ति पर विश्वास रखें। सकपकथा गाँव में एक चर्च बने ताकि वहाँ कि विश्वासियों को मानने मजबूती मिले।

मार्च

3

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन सामुएल ए.
श्री जीवन रंजन महापात्रा
श्रीमती प्रस्तुता बती पानी
श्रीमती मर्सी एलिजाबेथ शिवशंकरन
श्री थांग चिन लियांन एल.

हिमाचल

थानेदार:

जेबार्सन एवं गायत्री सी.

स्तुति: कड़ी सर्दी के बावजूद परमेश्वर ने विश्वासियों को आराधना में शामिल होने में मदद की। पट्टारी गाँव में नई शुरू की गई आराधना में भाग ले रहे 20 लोगों के लिए प्रार्थना करें। आत्माओं को जीतने के लिए प्रशिक्षण में भाग ले रहे कई लोगों को परमेश्वर ने आशीर्वाद और हिम्मत प्रदान किया। सिंगल और प्रेमनगर इलाकों में परमेश्वर ने हमें सुसमाचार प्रचार करने का अवसर प्रदान किया।

प्रार्थना: किम्बी, पार्वती, सुमित्रा और मुक्ति के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में उद्धार पाएँ। शिवम इलाके में एक नई पूजा सेवा शुरू हो। मंजू को पीलिया से, दिलशरा को यूट्रस कैसर से,

सुमित को यकृत की बीमारी से चंगाई मिले। शीला के लिए प्रार्थना करें जो अपने मसीही विश्वास के कारण जुल्म झेल रही है विश्वास में मजबूत हो। संजय और उसके भाई-बहनों की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने दो महीने के अन्दर अपने माता-पिता को खो दिया है।

रामपुर:

दोरुजापाओ गुईटे एवं फलोरेंस

स्तुति: जीप टीम मिनिस्ट्री के द्वारा 22 गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। नीता देवी को घुटने के तेज दर्द से, अक्षरा को माइग्रेन से, और अमृता को घुटनों की सूजन से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। अवेरा गाँव में चर्च का कंस्ट्रक्शन बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से चल रहा है।

प्रार्थना: सुदेशना का सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। कीर्तन, जिसे आँत के आगे बढ़ने की समस्या से, युवान को पेट की सूजन से, रामगिरी को पैर के अंगूठे की ट्यूमर से, जिम्बा की बेटी को शारीरिक और मानसिक विकास की कमी से, दीपा को अपने पैरों में का फ्रैक्चर और डायबिटीज से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

मार्च

4

उपवास
प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन बर्लिन एस.

श्री थिम्मेश एम.पी., श्री. किशनता लीमा

श्री दिनेश मडैया

श्रीमती पंसुरी मोहलिन बिधन

पंजाब

बुधलाड़ा: प्रताप राहंग एवं

रश्मि प्रवाह

स्तुति: हमारे विश्वासी अर्शदीप को पंजाब पुलिस डिपार्टमेंट में नौकरी मिली। बुधलाड़ा चर्च के जुबली सेलिब्रेशन के दौरान प्रियंका रानी को किडनी और अन्य बीमारियों से चंगाई मिली। ढाई साल से ज्यादा समय से लापता सुरोज कौर को परमेश्वर की कृपा से ओल्ड एज होम में मिली। भटके हुए विश्वासीगण मन फिराकर परमेश्वर की ओर लौट आए।

प्रार्थना: पर्थेंट, पारस, लाहेल, कलां, बरोटा और अहमतपुर गाँवों में होने वाली सत्संग सभा में भाग लेने वाले लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे हमारे प्रभु के प्रेम से प्रभावित हों और बहुत से लोग उद्धार करने वाले विश्वास में आएँ। प्रार्थना करें कि बसरा, हमीरकर, गुंटन, पडलगर और सूरजपायिनी गाँवों में जीज़स फिल्म की स्क्रीनिंग बिना किसी रुकावट के हो। दिलप्रीत सिंह की सफलता के लिए प्रार्थना करें जिसने आर्मी में भर्ती के

लिए परीक्षा दी है। प्रभु हमारे स्थानीय प्रचारक सुदेश रानी और जसपाल सिंह को अपनी सेवा में बहुतायत से इस्तेमाल करें।

बटिंडा: संजीब आनंद एवं

प्रस्तुतिपती पानी

स्तुति: तीन गाँवों में जीज़स फिल्म की स्क्रीनिंग एवं आउटरीच मिनिस्ट्री संचालित की गई। जकसीर सिंह और रमनदीप कौर के परिवारों के लिए जो गलतफहमी के कारण अलग हो गए थे, एक-दूसरे को माफ करके फिर से एक परिवार के रूप में फिर से रहने लगे हैं। पांडासिंह को रीढ़ के हड्डी की फ्रैक्चर से मिली और अब वह बैठने और चलने में सक्षम हो पाया। हमसरा परिवार आराधना में भाग लेना शुरू किए हैं। मनोज सिंह, सीमा और अखिलेश के परिवार के लोग सुसमाचार में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि बटिंडा, कोनियानी, बैबकथा, कोनेना, सबोके और थलवंडी क्षेत्रों में सेवा करने के लिए समर्पित स्थानीय प्रचारकों को खड़ा किया जाए। संदीप सिंह और अजोथ लक्ष्मण के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें ड्रग्स की लत से छुटकारा मिले। कचायिन सिंह के परिवार को उनकी पारिवारिक समस्याओं से छुटकारा मिले और उन्हें ईश्वरीय शांति प्राप्त हो। थुंगवली, सिंघवाला, जंदूकिलकलां, बरमानसा, रायकाना और सकबाथे गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुलें। रीढ़ की हड्डी की बीमारी से पीड़ित हमारे मिशनरी के भाई रंजीत आनंद की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो ठीक से बैठ या खड़ा नहीं हो पाता है, परमेश्वर उन्हें सम्पूर्ण रीति से चंगाई प्रदान करें।

मार्च

5

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती थंगम्मल जेबाराज

श्री सुनील मैथ्यू के., श्री रवि कुमार एस.

श्रीमती स्टेला डेविड पेरुमल, श्री. शंभूनाथ नायक

श्री लुबिन मुर्मु

बरनाला:

बिधन हंसदा एवं

पंसुरी मोहलिन

स्तुति: परमेश्वर की दया से दो गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और दो अन्य गाँवों में युवा सभाएँ आयोजित की गईं। आध्यात्मिक अन्धकार की शक्तियों को रोकने के विशेष प्रार्थना सभाएँ आयोजित की गईं। बिंदर कौर के परिवार को संतान सुख प्राप्त हुआ। उन विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो अपनी आत्मिक जीवन में बढ़ने और परिपक्वता में बढ़ने की रूचि दिखा रहे हैं।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सेहाना और कोटूना गाँवों में सेवा करने के लिए योग्य स्वयं सेवकों को तैयार किया जा सके। प्रार्थना करें कि नाबा, करोर वाला, साची कलोनी, बल्लो, उहोके, बाको और जियंत गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करने का प्रयास सफल हों। गुलवंत कौर को बुरी आत्मा के कब्जे से, वीरपाल कौर को सर्जरी के बाद भी एक साल से ज्यादा समय से पैर के दर्द की

परेशानी से पूरी तरह चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर निर्मल कौर को किडनी की बीमारी से सम्पूर्ण चंगाई प्रदान करे।

मनसा: देबब्रतो बिश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति: कोटा पम्मा और संधुली गाँवों में सुसमाचार की सच्चाई को सुनने के लिए उत्सुक थे। रोहन गाँव में हुए सत्संग से मिले संदेश से कई लोग विश्वास में मजबूत हुए। गुरप्रीत कौर, जो बीमारी की वजह से बिस्तर पर थीं, पूरी तरह ठीक हो गईं। मंगू सिंह और किरना कौर को अपनी अलग-अलग समस्याओं से पूरी तरह छुटकारा मिला जब उन्होंने उपवास प्रार्थना में शामिल होकर हृदय से प्रार्थना की। सतपाल माशी को सांस की बीमारी से चंगाई मिली।

प्रार्थना: राज कौर, जो अपने पति के गुजर जाने के बाद अपने तीन बच्चों को पालने के लिए संघर्ष कर रही हैं, उसे मसीह में ताकत और साधन मिलें। एक नई विश्वासिनी रिम्परानी के लिए प्रार्थना करें कि उसके घर में होने वाली विवाह की सारी जरूरतें पूरी हों। प्रार्थना करें कि परमेश्वर मनसिध सिंह, सुजीत सिंह, कुलदीप सिंह, संदीप सिंह, राजवीर कौर, मनप्रीत कौर, प्रिया कौर, बसदेव सिंह, जसप्रीत सिंह, और दर्शम सिंह को सही नौकरी और ईसाई जीवनसाथी प्रदान करे। अनराज सिंह और राजवीर कौर के परिवारों को शांति मिले और उनकी समस्याओं का समाधान हो। प्रार्थना करें कि प्रभु इस मिशन के क्षेत्र में विश्वास के साथ सेवा करने के लिए समर्पित मिशन कार्यकर्ताओं को तैयार करे।

मार्च

6

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जेम्स अरुलराज एम.

**मोगा: कोंकणी संपत भाई एवं
राऊत आशा**

स्तुति: कायदा गाँव में सुसमाचार सुनाया गया, मरासी जनसमूह के अनमोल सिंह को बैंक में नौकरी मिली। 9वीं क्लास की बच्ची अगमप्रीत, जो सिर में ट्यूमर की वजह से अक्सर बेहोश हो जाती थी, प्रार्थना के द्वारा पूरी तरह चंगाई पाई। सुरंजीत कौर, जो छह महीने से भी ज्यादा समय से चर्च जाना बंद कर चुकी थीं, परमेश्वर से क्षमा मांगकर रुरि से कलीसियाई आराधना में भाग ले रही है।

प्रार्थना: आगामी संडे स्कूल टीचर्स ट्रेनिंग और सत्संग मीटिंग्स की सफलता के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि एक नया बाल दैनिक सेवा केन्द्र का संचालन के लिए सही स्थान मिल सके। प्रार्थन करें कि जाकरो गाँव के मरासी जनसमूह के बीच आध्यात्मिक बदलाव आए। शराब की लत से जूझ रहे सोनी सिंह, अमनदी सिंह और कर्णसिंह को छुटकारा मिले। रुपिंदर सिंह के मकान मालिक, जो उनके परिवार को चर्च जाने से रोक रहे हैं प्रार्थना करें कि वह परमेश्वर के प्रेम को समझ सके। पिछले आठ महीनों से थायरॉइड और सांस की

दिक्कतों से परेशान राजी कौर के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें पूरी तरह चंगाई प्रदान करे।

**अहमदगढ़ मंडी : कृपा रक्षणा एवं
शकेना एस.**

स्तुति: लोहाथपड़ी एवं थुंगाहेरी गाँव में सुसामाचार प्रचार के दौरान लगभग 350 लोगों ने पहली बार सुसमाचार को सुना और परमेश्वर की कृपा से तीन नए लोग हमारे सम्पर्क में आए। दिलप्रीत, जिसने अपनी शादी के लिए बहुत प्रार्थना की थी, उसे एक अच्छा जीवन साथी मिला। युवाओं की आत्मिक विकास के लिए बाईबल अध्ययन समूह की शुरुआत की गई है। जसप्रीत के बेटे को प्रार्थना के द्वारा ड्रग्स के बन्धन से छुटकारा मिला। किडनी की बीमारी से पीड़ित जसप्रीत को परमेश्वर ने चंगाई दी।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि प्रभु पिछल पंद्रह वर्षों से संतान सुख का इंतजार कर रहे हमारे नए विश्वासी अमृत सिंह के परिवार को संतान प्रदान करे। सुपसिंह को मानसिक अवसाद से, नीता को स्किन इन्फेक्शन से, और हरप्रीत सिंह को ड्रग्स की लत से चंगाई प्रदान करे। हमारे विश्वासी अचल और आकाश को अच्छी नौकरी मिले। एक एकसीडेंट में घायल प्रताप सिंह के लिए प्रार्थना करें कि वह पूरी तरह चंगाई प्राप्त करे। ज्योति और विकी के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि उनका पारिवारिक मामला सुलझने पाए और परिवार में शांति स्थापित हो।

मार्च

7

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्री गिल्बर्ट विलियम्स एस.
श्री सोलोमन ज्ञानशेखर जे.
श्री थोंगखो लुन किपजेन
श्री जॉन अरुलराज
श्रीमती लियाबियाक्नेमी सिंह

बटाला :

वलवी नेताजी एवं

मेश्राम कल्पना

स्तुति: परमेश्वर ने रचना को सीने के तेज दर्द से चंगाई दी। परमेश्वर ने हमारे विश्वासी शनि को एक नई ऑटो खरीदने में मदद की। शकेवान क्षेत्र में आयोजित महिला सभा के द्वारा कई लोगों को आशीष मिली। परमेश्वर ने ज्योतिष की शादी को आशीर्वाद दिया। आशीष को प्रार्थना के द्वारा नई नौकरी मिली।

प्रार्थना: परमेश्वर अमृत सिंह को बच्चों से नया संपर्क बनाने में सहायता करे। परमेश्वर सुप सिंह और नीता को त्वचा की बीमारी से चंगाई प्रदान करे। परमेश्वर हरप्रीत सिंह को शराब की लत से छुटकारा प्रदान करे। हमारे विश्वासी अचल एवं आकाश को अच्छी नौकरी प्रदान करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर एक दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल प्रताप सिंह को चंगाई दे। परमेश्वर ज्योति और

विककी के परिवार में शांति बहाल करे।

उत्तराखंड

बाज़पुर :

क्रिश्चियन प्रकाश एवं

कोकनी सुमित्राबेन

स्तुति: परमेश्वर ने लक्ष्मी को उसकी प्रार्थना के उत्तर में सुरक्षित प्रसव में सहायता की। संगीता को तेज पेट दर्द से और प्रकाश को उच्च रक्तचाप से चंगाई दी। परमेश्वर ने आगलगी से बच्चे विशाल और परी को चमत्कारिक सुरक्षा प्रदान किया। हमारे एक विश्वासी के गाल पर का बड़ा फोड़ा को सर्जरी के द्वारा सफलतापूर्वक हटाया गया। किडनी स्टोन से पीड़ित सुंदरलाल को उनकी पत्नी की प्रार्थना के फलस्वरूप बिना सर्जरी के चमत्कारिक रूप से चंगाई मिली।

प्रार्थना: उनतीस साल के प्रशांत को यकृत की बीमारी से चंगाई मिले। सुंदरलाल, मोनिका और निथुम को बुद्धि की आत्मा मिले ताकि वे गलत उपदेशों पर कान बंद कर सकें और परमेश्वर के वचन के अनुसार विश्वासयोग्यता के साथ जी सकें। गाँव के नेताओं और तांत्रिकों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें मसीह में उद्धार प्राप्त हो और प्रभु उन्हें सुसमाचार का प्रचार करने के लिए इस्तेमाल करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर की कृपा से प्रेम जोशी के परिवार में एकता की भावना बनी रहे।

मार्च

8

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री हामूएल लीमा

सुश्री रानी उरॉव

हस्तियाणा

तोशम : अजय बार्डे एवं

शैतुल गहलोत

स्तुति: लक्ष्मी की माँ को प्रार्थना के द्वारा तेज खॉसी और सीने के दर्द से चंगाई मिली। मुकेश को परमेश्वर की मदद से अच्छी नौकरी मिली। गुलशन को शराब की लत से छुटकारा मिला। भवन को एक एक्सीडेंट में चमत्कारी सुरक्षा मिली। परमेश्वर ने ठंड के मौसम में हमारे विश्वासियों, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षा प्रदान की।

प्रार्थना: बार-बार दौरे से पीड़ित प्रवीण को पूरी तरह चंगाई मिले। पूजा, जो एक गंभीर स्वस्थ समस्या से जूझ रही है, पूरी तरह ठीक हो जाए। प्रार्थना करें कि पलावास गाँव में आराधना सेवा, जो विरोध के कारण बंद हो गई थी, फिर से शुरू किया जा सके। परमेश्वर हमारा विश्वासी पवन को चमत्कारी तरीके से घर बनाने के लिए जरूरी साधन प्रदान करे।

राजस्थान

खेरवाड़ा : देबाशीष हेम्ब्रोम एवं

शेफाली हंसदा

स्तुति: छह परिवार के लोग विश्वासियों की मण्डली में शामिल हुए। अम्पा बेन को रक्तस्राव और टॉइफाइड से चंगाई मिली। रमेश को शराब की लत से छुटकारा मिला और अब वह नियमित रूप से कलीसियाई आराधना में भाग ले रहा है। परमेश्वर ने रमीला बेन को पेट के ट्यूमर से चंगाई दी। ममता बेन एवं नारायण बाई ने स्वयं सेवक के तौर पर सेवा करने का वादा किया है। नौ वर्षीय ईश्वर, जो अचानक बेहोश हो गया था, प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि अरविंद का परिवार नियमित रूप से कलीसियाई आराधनाओं में भाग लें। दिनेश और मुकेश को शराब की लत से छुटकारा मिले, साजन, महिमा और संतोष अपनी 12वीं की बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक लिख सकें और अच्छा प्रदर्शन कर सकें। चर्च बनाने के लिए दो गाँवों के मुखियाओं से जरूरी मंजूरी मिले। प्रार्थना करें कि काया और पिलक पुथुर गाँव में आराधना शुरू हो जाए। तीन गाँवों में तय जीज़स फिल्म मिनिस्ट्री के द्वारा कई आत्माओं को बचाया जाए। इंदिरा बेन को नसों की बीमारी से चंगाई मिले। अम्मा बेन और मंजू बाई के परिवारों को परमेश्वर की कृपा से यीशु मसीह में उद्धार का अनुभव हो।

मार्च

9

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती वसंती स्टेला इमानुएल
श्रीमती पोन्नुथाई ज्ञानसुंदरी आर्थर
श्री डेविड पी., श्रीमती पार्वती मणि विनोद

उदयपुर :

आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति: परमेश्वर की दया से कड़िकिया पाला गाँव में चर्च का निर्माण बिना किसी रुकावट के शुरू कर दिया गया है। परमेश्वर की कृपा से रंजना, गुड़िया, ज्योति, रमिला और लक्ष्मी को बुरी आत्माओं के बंधन से मुक्ति मिली। दवारी बाई को प्रार्थना के द्वारा घुटने के दर्द से चंगाई मिली जिससे कारण चलना—फिरना मुश्किल हो गया था।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि आगरमी पंचायत चुनाव में परमेश्वर के चुने हुए लोग ही विजय प्राप्त करें। कड़िकिया पाला में चर्च का कंस्ट्रक्शन बिना किसी दिक्कत के पूरा हो पाए। थारा, आशा और निरमाक को अत्यधिक रक्तस्राव से चंगाई मिले। गर्भपात से परेशान गीता, लीला और नीला, के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से गर्भधारण कर सकें। एरथेर और रोशन को किडनी की बीमारी से और मांगीलाल को अवसाद से चंगाई मिले। हमारे स्थानीय प्रचारक मोहन लाल और आशीष के परिवार के लिए

प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि तमोर और श्याम लाल आध्यात्मिक रूप से मजबूत हों। बढ़ते जुल्म के इन दिनों में हमारे विश्वासीगण परमेश्वर की अनुग्रह से अपने विश्वास और आध्यात्मिक उत्साह में मजबूत बने रहें।

दिल्ली

पटपड़गंज : जॉन डेविडसन एवं
एस्तेर जी.

स्तुति: दो लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। कई युवाओं ने युवा सभा में भाग लिया और बहुतायत से आशीष पाई। गणतंत्र दिवस पर आयोजित उपवास एवं प्रार्थना में कई लोगों ने भाग लिया। रीता को बिजली के झटके से चमत्कारिक सुरक्षा मिली। परमेश्वर ने हमारे मिशन कार्यकर्ताओं और विश्वासियों को कड़ाके की ठंड और प्रदूषण से सुरक्षा प्रदान किया।

प्रार्थना: हमारे विश्वासियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें जो 10वीं और 12वीं की बोर्ड परिक्षा दे रहे हैं। सावित्री, संधिरावती, वेलविजी, शालू और दयानंद के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में उद्धार पाएँ। गंगा, पिकी, प्रियांशी, निशा, कविता और किरण दुनियावी सुखों को छोड़कर पूरे मन से यीशु मसीह की ओर फिरे। जुए के कारण कर्ज में फंसे रायल विसन, जितिन, अरुण, पल्लब और दिनेश के लिए प्रार्थना करें कि वे जूए के लत से छुटकारा पाएँ और उन्हें मसीह में उद्धार प्राप्त हो। करिश्मा और ईशा के लिए प्रार्थना करें कि दोनों परमेश्वर की अनुग्रह से स्त्री समलैंगिकता की भावना से आजाद हों।

मार्च

10

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सेल्वा कुमार आर. @ जोसेफ विल्सन
श्रीमती प्रोमिला सोरेन दाऊद
श्रीमती शर्मिला सतीश

उत्तर प्रदेश

दुंडला:

समारेंद्र सिंह एवं

सुस्मिता आरती लता

स्तुति: हमारे विश्वासी मनमोहन और गनसिंह को परमेश्वर ने चमत्कारिक सुरक्षा प्रदान किया। मिथलेश ने गाँव वालों के विरोध के बावजूद अपने गाँव में मंदिर बनाने में मदद करने से मना कर दिया और वह अपने विश्वास में अडिग रहा। हमारे विश्वासी महावीर, हाकिमसिंह और लखन सिंह का परिवार विरोध के बावजूद भी अपने विश्वास में अडिग रहे।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि कासरना, सिरसागंज, कटेना, कुशियार और पराल गाँव के लोगों को परमेश्वर के प्रेम का अनुभव हो। करसा, जलालपुर, मरकटी, रंजिडी, परदेश जैन तीर्थ और समोरकन गाँवों के लोगों के लिए प्रार्थना करें।

विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे आत्माओं को जीतने की सेवा में सक्रिय रूप से शामिल हों। सुसमाचार विरोधियों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें परमेश्वर की अनुग्रह से यीशु मसीह के प्रेम का अनुभव हो।

घाटमपुर :

जंगकोलुन तौथांग एवं

न्याई थियानचिंग

स्तुति: परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों को ठंड के मौसम और ईसाई धर्म पर जुल्म करने वालों से सुरक्षा प्रदान की। शराब के आदी और भटके हुए हमारे विश्वासियों जिसने पहले हमारे स्थानीय प्रचारक के खिलाफ झूठा केस किया था न फिराकर प्रभु के पास वापस लौट आए हैं। हमारा विश्वासी श्री किशन का परिवार धार्मिक कट्टर पंथियों की धमकियों के बावजूद अपने विश्वास पर अडिग रहे।

प्रार्थना: जिन धार्मिक कट्टरपंथियों ने पिछले तीन सालों से घाटमपुर इलाके में हमारे विश्वासियों को सताया है और सुसमाचार के काम में रुकावट डाली है, उन पर यीशु मसीह का प्रेम बरसे, और हमारे छह स्थानीय प्रचारकों और हमारे मिशनरियों के परिवारों पर परमेश्वर की के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थन करें कि प्रभु सभी सेवकों को बहुतायत से इस्तेमाल करे।

मार्च

11

उपवास
प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्री असिर सेल्वराज सी.

श्री प्रवीण दास

जलौन :

गावित राकेश एवं

इरगर रेशमा

स्तुति: तीन लोगों ने ईसा मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया। दान गाँव में एक नया आराधना दल शुरू किया गया है। कई लोगों ने बागथपुरा गाँव में पूरी रात की प्रार्थना में हिस्सा लिया और पूर्ण मन से प्रार्थना की। परमेश्वर ने सुतान के गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करने में हमारी सहायता की। पुरा, मनपुरा और पचकेरा में विश्वासियों की विश्वासियों और खोजियों का शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

प्रार्थना : भाग्यम और दिनेश परिवार के लिए प्रार्थना करें जो क्रमशः 10 और 15 वर्षों संतान प्राप्ति की आशा लगाए बैठे हैं परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करें। मुनेश को शराब की लत से छुटकारा मिले। प्रीति को स्तन कैंसर से, शशि को पेट की सूजन से, और जागेश्वर को बुरी आत्माओं के बंधन छुटका प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि इस इलाके में सुसमाचार

का प्रचार करने में आने वाली सभी रुकावटें परमेश्वर की कृपा से दूर हो।

भरथना:

राजन एस. एवं

जेबा मलर एस.

स्तुति: संपेरा जनसमूह के लिए मुर्चा गाँव में बाल दैनिक सेवा केन्द्र आरम्भ किया गया है, और 35 बच्चों का नामोंकन किया गया है। पंकज के परिवार को चार साल की प्रार्थना और इंतजार के बाद संतान सुख प्राप्त हुआ। विजयजथ को शराब की लत से छुटकारा मिला। अनिल को बुरी आत्माओं के बंधन से आजादी मिली।

प्रार्थना : मलाथी और ईशा, जो चर्च की पूजा में हिस्सा ले रही हैं, उन्हें मसीह यीशु में उद्धार करने वाला विश्वास प्राप्त हो। मेहना और वैसोली में बंद चर्च जल्द ही आराधना के लिए खुलने पाए। ममता और मनीषा के परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। मिलक कलीसिया के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो विरोध के कारण आराधना में आने से डरते हैं, उनका विश्वास मजबूत हो और वे हिम्मत के साथ रहें। हमारे स्थानीय प्रचारक की पत्नी अर्थी को सीने के दर्द और मानसिक अवसाद से छुटकारा मिले। मसीही विश्वास के कारण अपने परिवार के विरोध का सामना कर रहे सियाराम के प्रार्थना करें कि वह विश्वास में मजबूत हो और उसके परिवार वाले मसीह के प्रेम को जानें।

मार्च

12

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती शाइनी किंसली

श्री लेटखोजिन माटे

हसेरन : सुरेश मालतो एवं

प्रेमलता मालतो

स्तुति: परमेश्वर की अनुग्रह से कागरवापुरा चर्च, जो बंद हो गया था, आराधना के लिए फिर से खुल गया है। मुथेगापुर इलाके के कई विश्वासी उत्साह के साथ आराधना में शामिल हुए। आठ गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई और प्रार्थना सभाएँ सफलतापूर्वक सम्पन्न की गईं। मंजिला गाँव के अनुराग को सड़क दुर्घटना में चमत्कारिक सुरक्षा मिली।

प्रार्थना : हसेरन इलाके के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विरोध के दौरान भी हिम्मत के साथ विश्वास में बने रहें। हमारे हमारे प्रचारक मुकुटसिंह के बेटे रघुराजन को क्षय रोग से चंगाई मिले। अनुराग को शैतानी बन्धन से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि सतपाल को मुँह के कैंसर से, ममता को मुँह के छाले से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

बस्ती : श्रीनिवासन जे. एवं

शीबा जी. चंद्रा

स्तुति: हमारी विश्वासी माया को परमेश्वर ने अद्विभूत तरीके से सुरक्षा प्रदान किया जिसका एक भयानक कार एक्सीडेंट हुआ

था और गाड़ी के टूटने के बावजूद वह सही-सलामत बच गई। इलाके में धारा 144 लागू होने के बावजूद पुलिस की इजाजत से नए साल की आराधना सफलतापूर्वक संचालित की गई। परमेश्वर की अनुग्रह से विरोध के बावजूद तीन दिन की उपवास प्रार्थना सभा सफलतापूर्वक संचालित की गई। जूली की गॉल ब्लैडर की पथरी सर्जरी के द्वारा सुरक्षित रूप से निकली गई।

प्रार्थना : चिंतामणि को मुँह के कैंसर से, अनुराधा को बच्चेदानी का ट्यूमर से पूरी तरह चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि प्रभु हमारे युवा विश्वासियों के लिए योग्य मसीही जीवन साथी प्रदान करें। प्रार्थना करें कि गाँवों में हो रही हमारी आराधना दल बिना किसी विरोध के चलता रहे। उषा को अत्यधिक ब्लीडिंग से चंगाई प्रदान करें।

परमेश्वर जिसने अपने सेवकों की रक्षा की

खरगोन मिशन क्षेत्र के वेंगुर गाँव में क्रिसमस कैरोल गाकर लौटते समय, हमारे कुछ मिशनरियों पर सुसमाचार विरोध करने वाले लोगों ने हमला किया, उन्हें पीटा और उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुँचाया। उस खतरनाक परिस्थिति में, उन्होंने एक विश्वासी के घर में शरण ली। हालांकि, गाँववालों के और विरोध का सामना करने पर, वे एक पतले रास्ते से भाग निकले और खेतों को पार करके पाँच किलोमीटर पैदल चलकर दूसरे विश्वासी के घर सुरक्षित पहुँचे। हम परमेश्वर धन्यवाद देते हैं। जिन्होंने अपने सेवकों को हानि से बचाया। आईए हम अपने मिशनरियों की सुरक्षा और साहस के लिए हृदय से प्रार्थना करते रहें।

मार्च

13

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री हुटोई अचुमी के.

श्री येसुप्रकाश जे.

खैमगंज :

स्टीफन हंसदा एवं

सुभासिनी मुर्मू

स्तुति: हमारे मानने वालों को जो आध्यात्मिक और शारीरिक रूप से चंगाई का अनुभव किया। हमारे मिशनरी के भाई नारन मुर्मू को प्रार्थनाओं के द्वारा मानसिक अवसाद से चंगाई मिली। उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित बिब्ली की माँ को परमेश्वर ने पूरी तरह से चंगाई दी।

प्रार्थना: पूरे शरीर पर फोड़े से पीड़ित रामू की पत्नी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बिब्ली को परमेश्वर एक योग्य जीवन साथी प्रदान करे। दस वर्षीय लड़का शिवम को पेड़ से गिरने के कारण पैर में लगी चोट से चंगाई मिले। रूथोल गाँव के चर्च में आने वाले दो नए परिवारों उद्धार के लिए प्रार्थना करें। हमारे मिशनरी स्टीफन की बहन को परमेश्वर की इच्छा अनुसार योग्य जीवन साथी मिलने के लिए प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

धार : संतु मरांडी एवं राखी माडी

स्तुति: परमेश्वर ने हमें पलवाड़ा और सुलापेड़ी गाँवों कई लोगों को हमारे सम्पर्क में लाया। पाँच नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और छह गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई। अम्मालजीमा गाँव में सोल-विनर्स ट्रेनिंग आयोजित की गई। नयापुरा गाँव में युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित की गई। पिछले साल से लिवर की बीमारी से परेशान बठिया गाँव का 26 वर्षीय अनिल जो जो कई तोत्रिकों के पास जाने और बहुत रुपया खर्च करने के बाद भी ठीक नहीं हो सका था एक विश्वासी के घर में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेकर प्रार्थन के द्वारा सम्पूर्ण चंगाई प्राप्त किया और गाँव के लोगों ने हमारे परमेश्वर की अद्भुत सामर्थ्य को देखा।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सार्वजनिक आगामी विश्वास अंगीकार कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के हो। गंगवानी तालुक में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले। बगीरथ, परमंध और चौहान को शराब की लत से छुटकारा मिले। चौरहान, रामसिंह, भगीरथ, परमंध और अनिल बघेल के परिवार परमेश्वर की कृपा से विश्वास के साथ काम करें।

मार्च

14

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती एलिजाबेथ डेविड, श्री. व्यासु बाबू ए.

श्रीमती वुंग थियानचिंग थांग

श्रीमती बिरारी रीताबेन गिम्बल

खरगोन :

बिनीत प्रसाद एवं अमोजिता

स्तुति: विरोध के बावजूद पाँच गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। कलीसिया के प्राचीनों और विश्वासियों ने सुसमाचार प्रचार कार्य में पूरी लगन से भाग लिया। उषा बेन, मनीषा, पोपलरबाई और संगीता को बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिली। विरोध के बावजूद बानूर

और बुइड़ा गाँवों में परमेश्वर ने आध्यात्मिक सभाएँ संचालित करने में हमारी सहसयता की। धनु को पंद्रह दिनों से हाथ-पैरों में सूजन की परेशानी से प्रार्थना के द्वारा चंगाई पाई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि कुमारसिंह भाई को शरीर के फोड़े से चंगाई मिले। रामसिंह भाई को क्षय रोग से और पूंछई बाई को क्षय रोग से, पुनिया, मिलिनसिंह, मुकेश भाई और गंगा मनजी को कैंसर से मुक्ति मिले। संगीता बेन को भूत-प्रेत के बंधन से छुटकारा मिले। किरण, हीना, रिंधु और रिकू के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करे। राजा भाई और जगन भाई को शराब की लत से छुटकारा मिले। पकरानिया, थुलिया, बटकेड़ा और कराड़ी गाँव में चल रहे प्रार्थना हॉल का काम परमेश्वर की दया से बिना किसी रुकावट के पूरा हो।

किशोर शिविर

नवीनीकरण एवं प्रतिबद्धता का समय

परमेश्वर की असीम कृपा से, उत्तरी चेन्नै क्षेत्र के लिए किशोर शिविर पांगल की छुट्टियों के दौरान 15 से 17 जनवारी तक ऑलिव टी स्कूल, मजत्वक्कम, चेन्नै में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 307 किशोरों ने पंजीकरण किया और इस शुभ सभा में भाग लिया। परमेश्वर ने सत्रों, संदेशों एवं प्रार्थना के माध्यम से अपनी सामर्थ्य को प्रगट किया। परिणामस्वरूप 23

किशोरों ने पूर्णकालिक सेवकाई के लिए अपना जीवन को समर्पित किया। नौ प्रतिभागियों ने प्रभु को अपनप व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया, जबकि 191 बच्चों ने अपने जीवन को प्रभु में पुनः समर्पित किया और अपने उद्धार के अनुभव को फिर से नवीकृत किया। इसके अतिरिक्त, 26 किशोरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किशोर प्रार्थना समूह शुरू करने का संकल्प लिया।

हम इस शिविर के दौरान लिए गए आत्मिक निर्णयों और उसकी महान उपस्थिति के लिए परमेश्वर की स्तुति करते हैं। प्रभु अपने साथ चलने में प्रत्येक का मार्गदर्शन करे और उन्हें शक्ति प्रदान करे। सारी महिमा परमेश्वर ही को मिले।

मित्र समाचार | 33 | मार्च 2026



मार्च

15

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अरुणा किंग्सली, श्री स्टालिन जीवा एन.
श्रीमती पारान ज्योति लुसीना सुब्रमण्यम
श्रीमती एंजेलिन वसंथी ईलनगोवन
श्री हिजाम केनेडी सिंह
श्री राजन एस., सुश्री शीला हंसदक

बिहार

छातापुर :

रवि के. एवं सुधारानी भाई

स्तुति: मधुबनी और हरियारहा गाँवों में पहले विरोध के कारण बंद आराधना फिर से शुरू किया गया है। असहनीय सिरदर्द के कारण अपनी जान लेने पर बिचार कर रहा संतोष को परमेश्वर ने कलीसिया के आँसुओं के साथ की गई प्रार्थना के द्वारा चंगाई दी। आनंदिनी कुमारी को चंगाई देने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिनकी नाक में एक सड़क दुर्घटना में फ्रैक्चर होने के कारण बहुत खून बह गया था। शंभू शादा के परिवार को संतान की आशीष मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि धार्मिक कट्टरता के कारण बंद कर दी गई रायपुर गाँव की आराधना सेवा फिर से शुरू किया जा सके। परमेश्वर विश्वासियों को आजादी से उनकी आराधना करने के लिए सुरक्षा और हिम्मत प्रदान करे। अरवा गाँव के गुस्सैल पुजारी के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों को धमकी देता है। पुलन,

रंजीत और सुरेंद्र के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो थंबावा गाँव की सेवा कार्य में रुकावट डालते हैं। वालपुर और पुरानी गाँवों के विश्वासियों को परमेश्वर आराधना में एकता और मेल लिए प्रदान करे। जयकुमार को बवासीर से, रामपत्ती देवी को दिल की बीमारी से, सम्पुसदा को फ्रैक्चर से, परुनसदा और डेरन सदा को कोढ़ से ठीक चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि स्वयं सेवकों परमेश्वर हिम्मत दे बहुतायत से इस्तेमाल करे।

मुरलीगंज : जीवननंदन एम.

एवं जोसेफिन

स्तुति: पिछले दो साल से बवासीर से परेशान सुनी देवी को चंगाई मिली। राजी प्रदीप पनमंगी इलाके में उत्साह के साथ सेवा कर रहा है। नई विश्वासिनी देव सांडे देवी ने अपना जीवन पूरी तरह से मसीह को समर्पित की। कई दिनों की निरन्तर प्रार्थना के बाद संथोलिया देवी अब आराधना में भाग ले रही है।

प्रार्थना : छह महीने पहले निकाले गए फोड़े के प्रभाव से पीड़ित सत्या देवी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने पुराने धार्मिक कामों से आजाद हो जाएँ और आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की आराधना करें। विश्वासिनी सुंदरा देवी के परिवार वाले मसीह में अपना विश्वास लाएँ। पूजा को पनमंगी गाँव में किराए पर रहने का सही जगह मिले। नागेश्वर और ऋषिदेव को ड्रग्स की लत से छुटकारा मिले और वे परमेश्वर पर भरोसा करें कि उनके जीवन में छुटकारा और बदलाव आए।

मार्च

16

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री येक्टो चोफी

श्रीमती अनिमोल जॉन कुमार

श्रीमती एग्नेस एबेनेजर एडवर्ड

श्रीमती शेफाली हंसदा देबाशीष

झारखंड

मनिका:

वेधामणिकम अप्पादुरई एवं जेबा
दबोराल

स्तुति: चार लोगों ने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। रूबी देवी को वैवाहिक जीवन के 15 वर्षों के बाद उनकी प्रार्थनाओं के उत्तर में संतान की आशीष मिली। आंत की समस्या से परेशान सुखन भुईयाँ को सर्जरी और सही इलाज के द्वारा चंगाई मिल रही है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि बिहारा चर्च कंपाउंड की दीवार का काम, जिसमें रुकावटें आ रही हैं, सफलतापूर्वक पूरा हो। प्रार्थना करें कि रिंकी देवी, सुगी देवी, लीलावती और मुनिदेवी को प्रभु की ओर से संतान की आशीष मिले। किरंधी कुमारी, मंजू देवी और सनीचोर भुईयाँ को क्षया रोग से, रिंकी देवी को मिर्गी से, और सरानी देवी को शैतानी बंधन के कारण

हो रही आँखों की रोशनी पूरी तरह से चंगाई और छुटकारा मिले।

बरहड़वा:

मल्ला विद्यासागर एवं
दीपिका रानी

स्तुति: जब रविमधु दास के लिए मंजूर मुफ्त घर उनके ईसाई धर्म की वजह से रोक दिया गया था, तो परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी और घर फिर का निर्माण कार्य से शुरू कर दिया गया। जोशना देवी और जय रविदास को परमेश्वर ने सड़क दुर्घटना में बचाया। पुचन देवी को परमेश्वर ने साँप के काटने से बचाया। प्रीतम बिजली के झटके से बच गया। हमारे विश्वासी के खोया हुआ बच्चा बच्चे को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित वापस पाया गया।

प्रार्थना: पुतली देवी को शैतानी बंधन से छुटकारा मिले। लापता मुक्कन सिंह के लिए प्रार्थना करें कि वह सही सलामत वानस मिल सके। यकृत की बीमारी से परेशान बच्चा सिंधु, के चमत्कारिक चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासी के बेटे राजकुमार को उसकी बुरी आदतें छुड़वाकर उद्धार प्राप्त हो। शारीरिक रूप से विकलांग नौजवान मानिषा है के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे उम्मीद भरा और खुशहाल भविष्य प्रदान करे। अधोदरी की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें।

मार्च

17

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सेल्वाराज ए., श्री. जुमल मुंडा
श्रीमती सविता देवी आशीष कुमार

गोरपाड़ा :

किंसली आर. एवं शाइनी ए. डब्ल्यू.

स्तुति: बहादीडोली गाँव में सुसमाचार प्रचार के निमित्त खुला द्वार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। जादूगर गांधी और जामा बहाड़ी सुसमाचार में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। परमेश्वर ने हमारे मिशनरी को अपनी मोटरबाइक से गिर के दौरान गंभीर चोट लगने से बचाया।

प्रार्थना: दाहिने हाथ में लकवा की समस्या से जूझ रहे अनाथ राजी के सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें। कुमार पहाड़िया जनसमूह के लिए तय मेला बिना किसी रुकावट के सम्पन्न हो। गोरपाड़ा और पडूधा गाँव में दो बाल दैनिक सेवा केन्द्र के लिए योग्य एवं समर्पित शिक्षक मिलने के लिए प्रार्थना करें। बोलने और चलने में असमर्थ पाँच वर्षीय राधा को बोलने और चलने की शक्ति मिलने के लिए प्रार्थना करें ताकि उसका जीवन हमारे परमेश्वर की शक्ति और दया का सबूत बनकर चमकने पाए।

तीनपहाड़:

नहेम्याह एवं अनामिका पेगु

स्तुति: सर्वमुंड ने मतभेदों के बावजूद अपने भाई के साथ सुलह की और उनके रिश्ते को

फिर से मजबूत किया। परमेश्वर ने कामड़िया डीके कि दुर्घटना से बचाया यद्यपि उसको चेहरे में चोट लगी। सोमरीदेवी को हफ्ते में दो बार उपवास और प्रार्थना करने के लिए समर्पण के द्वारा लालच से छुटकारा मिला।

प्रार्थना: आकाश, देपो और प्रियंका मिंज के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर बॉर्ड परिक्षा लिखने के लिए बुद्धि और ज्ञान प्रदान करे। विक्रम तिग्गा को चेहरे और सिर में गंभीर चोट से चंगाई मिले जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रार्थना करें कि कलीसिया के युवा ईश्वरीय भय में अपने जीवन को व्यतीत करें। विकास के लिए प्रार्थना करें कि वह अपने विश्वास का सबके सामने अंगीकार करने का अवसर और हिम्मत मिले और इसके द्वारा बहुत से लोग उद्धारकर्ता की ओर आकर्षित हों।

डॉक्टरों से भी बड़ा डॉक्टर

जोड़ी सिंह जो पंजाब के योगा कार्यस्थल अजीतवाल गाँव में डॉक्टर के तौर पर काम कर रहे थे, वह गम्भीर किडनी की समस्या से पीड़ित था। पंद्रह दिनों तक उन्हें बहुत ज्यादा दर्द हुआ और दवाई लेने पर भी कम नहीं हुआ। वह रविवार की आराधना में आया और प्रार्थना करने को कहा। लोगों ने पूरे विश्वास के साथ प्रार्थना उनके लिए प्रार्थना की। उन्हें विश्वास था कि परमेश्वर उसे उसी दिन चंगाई देगा। प्रार्थना के बाद, मिशनरी ने उन्हें पीने के लिए एक गिलास पानी दिया। उसी शाम, को किडनी की पथरी पेशाब के द्वारा अपने आप निकल गई। जोड़ी सिंह ने खुशी के साथ अपनी बात शेयर की, और अपने जीवन में हुए आश्चर्यकर्म के लिए परमेश्वर की महिमा की। सच में, हमारा परमेश्वर एक महान डॉक्टर हैं!



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती इंद्रम्मा डैनियल विजयराज

लालमटिया : अमारेन्द्रन एवं

गौरम्मा सुवेथा

स्तुति: एक महीने से बिस्तर पर पड़ी माया मुर्मू ने यीशु पर विश्वास करके प्रार्थना की और पूरी तरह से चंगाई पाई। मनीष मरांडी को परमेश्वर ने सर्पदंश से बचाया। सामुएल मरांडी की पत्नी को विश्वासियों के विश्वास की प्रार्थनाओं के द्वारा प्रसव पीड़ा से बचाया और सुरक्षित प्रसव का अनुभव की। रीता किस्कू को क्षय रोग से, जकरज हेम्ब्रोम को मलेरिया से, मारियाक्का सोरेन को शरीर के सूजन से, मारिया मरांडी की यकृत की बीमारी से और मार्सिल को मिर्गी से प्रभु की अद्भुत शक्ति के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना: मोहबत गाँव का मुखिया के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर सबके सामने मसीह को अंगीकार करने की हिम्मत प्रदान करे। सोनीलाल हेम्ब्रोम के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार है क्षय रोग से चंगाई मिले। पालगामी चर्च का कंस्ट्रक्शन बिना किसी रुकावट के पूरा हो। शिलास के परिवार के लिए प्रार्थना

करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। मसुदान मरांडी, जतन मरांडी, जोसेफ मुर्मू, करमेला मोहल, मरनमेल मुर्मू, साधन हेम्ब्रोम और बरनबास हंसदा के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें अलग-अलग बीमारियों से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि सैमसन मरांडी को शराब की लत से छुटकारा मिले ताकि उनके जीवन और समाज में प्रभु की महिमा दिखाई दे।

मालपहाड़िया : इमानुएल कार्ति एवं ज्योति लक्ष्मी

स्तुति: पुलेश्वरी को गर्दन के गम्भरी दर्द से चंगाई मिली। मधु डेहाड़ी को पूरे शरीर पर हुए फोड़े से चंगाई मिली। तीन दिनों से उल्टी से परेशान एक साल की बच्ची शेफाली सिंह को चंगाई मिली। सुराईपानी गाँव में लोगों का हृदय बदल गया जहाँ पहले लोग सुसमाचार का विरोध करते थे, निरन्तर प्रार्थना के उत्तर में अब वे विरोध करना छोड़ दिया है।

प्रार्थना: लकवा से पीड़ित थुलियारानी को पूरी तरह से चंगाई मिले। मेहलबाना गाँव के लोगों के मन शिव के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु की ओर फिरे। रानेश्वर और रानीपागल गाँवों के लोग सुसमाचार सुनने में गहरी दिलचस्पी दिखाएँ। हमारे कलीसिया का प्राचीन पुतन डेहरी की पत्नी प्रमिला रानी को बच्चेदानी की बीमारी से चंगाई मिले। प्रभु की शक्ति और प्रेम लोगों के जीवन में प्रगट हो कि अधिक से अधिक लोग मसीह की ओर आकर्षित हों।

मार्च

19

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती रेनुमा साङ्गी दीप्ति लाल माली
श्रीमती डेलिफन किंग्सली लिविंगस्टन
श्रीमती मणि बुलिउली जुमल मुंडा

राजमहल क्षेत्र एवं भगैया:

जेबा कुमार पी. एवं
जेयंती ग्रेस

स्तुति: हमारे मिशनरी सुरजगांधी के पित्त की थैली निकालने की सर्जरी सफलपूर्वक हुई। सिलगाम और पदनपगरी गाँवों के विश्वासियों ने अपने मतभेदों को सुलझा कर परमेश्वर की आराधना एक साथ कर रहे हैं। 150 से अधिक विश्वासियों ने अपने आत्मिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए तीन दिवसीय उपवास प्रार्थना में हिस्सा लिया। छात्रों के लिए आत्मिक सभा सफलतापूर्वक संचालित की गई, जिसके द्वारा दो बाईबल अध्ययन समूह का गठन किया गया। 15 गाँवों के छात्रों ने अपने समुदायों में एक साथ प्रार्थना करने की प्रतिज्ञा की।

प्रार्थना: हमारे विश्वासियों को धमकाने वाले धार्मिक कट्टरपंथियों के लिए प्रार्थना करें कि वे मन फिराएँ और प्रभु के प्रेम का अनुभव करें। विश्वासियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे बोर्ड परीक्षा में

अच्छा प्रदर्शन करें और हिम्मत पाएँ। सभी मिशन कार्यकर्ताओं और स्थानीय प्रचारकों के लिए प्रार्थना कि प्रभु उन्हें सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करें कि वे ईमानदारी के साथ सेवा करें और कई लोगों के जीवन में अपनी मेहनत का फल देख सकें।

महारा:

हामुएल लीमा एवं
रितांजलि गारडा

स्तुति: सोलकथरा गाँव विश्वासीगण खुशी के साथ उपवास प्रार्थना में भाग लेते हैं। मनेश्वर दास और उनकी माँ नियमित रूप से आराधना में भाग लेते और मसीह में अपना विश्वास रखते हैं। दीवाना दास को प्रार्थना के द्वारा क्षय रोग से चंगाई मिली। हमारे विश्वासी सोनू महेथदोसम और उनके भाई के बीच हुए समझौता के लिए जो अब आपस में शांति से रह रहे हैं।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि श्रीदास और उनकी पत्नी ईशा देवी काले जादू के बंधन से छुटकारा पाएँ। हमारे विश्वासी मोंडू पूजा के लिए प्रार्थना करें कि सरकारी योजना के तहत मंजूर हुआ घर बिना किसी रुकावट के मिलने पाए। असंजोर गाँव में गॉस्पेल का प्रचार करने के लिए मिशनरियों का निमंत्रण तीन परिवारों के जीवन के लिए फलदायी हो। प्रार्थना करें कि हमारे कलीसिया का प्राचीन नूरेश दास के जमीन की समस्या का हल होने पाए और प्रभु की महिमा प्रगट हो और बहुत से हृदय मसीह की ओर फिरे।



जन्मदिन मुबारक

श्री डेविड पेरुमल, श्री जॉर्ज सी.आर.
श्रीमती पुष्पिता रानी बेहरा
श्रीमती ज्ञाना सेल्वरानी जीवा
श्री बिमल चंद्र मुर्मू
श्री सामुएल बेबरता

पश्चिम बंगाल

समसी :

आस्थाबन आदित्य एवं
मानिनी बेबरता

स्तुति: 12 जगहों पर रात्रि सभा एवं अन्य 10 जगहों पर जीज़स फिल्म दिखाया गया। राजन मुर्मू के परिवार ने नए स्थानीय सेवकों के रूप में शामिल हुए। पुलमुनी को चर्म संक्रमण से चंगाई मिली। टेरेसा और राबी हंसदा के तीन बच्चों को ब्लड क्लॉटिंग डिसऑर्डर से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली।

प्रार्थना: योसिलम गाँव के 5 वर्षीय बिंदि मार्टी को अज्ञात बीमारी से चंगाई मिले। ताकि तालामाइ बास्की और बादल बास्की के परिवार हिम्मत से मसीह में अपना विश्वास अंगीकार करें। होपना हांसदा एवं लक्ष्मी मुर्मू के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। गंगा मुनि एवं पुलमुनि मुर्मू

के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि समसी मिशन के हर गाँव में सुसमाचार का प्रचार किया जा सके और बहुत से हृदय प्रभु की ओर फिरे तथा मसीह के प्रेम के द्वारा लोगों के जीवन में बदलाव आए।

बालुरघाट:

दीपरत्ना एवं मिथलेश

स्तुति: पिछले महीने प्लान की गई मिनिस्ट्री के लिए, जो बिना किसी परेशानी के आसानी से सम्पन्न की गई। दीपाली हंसधा को मिशन के कार्यकर्ताओं की प्रार्थना और उपवास के द्वारा 12 बुरी आत्माओं के बंधन से मुक्ति मिली। गाँव के मुखिया और पुलिस डिपार्टमेंट की मंजूरी से विश्वासियों का मेला सफलतापूर्वक हो सका। परमेश्वर की व्यवस्था के द्वारा ईंट भट्टे की फैक्ट्री में दो दिन सुसमाचार सेवा संचालित की गई।

प्रार्थना: मस्ती किस्कू, रॉबिन मुर्मू, सुक्कू मुर्मू, रीना हेम्ब्रोम और बैगेन किस्कू के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में रुचि ले रहे हैं प्रभु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण करें। रीना हेम्ब्रोम को बुरी आत्माओं की तकलीफ से पूरी तरह छुटकारा मिले। पूरे शरीर में दर्द से परेशान सथुर हंश की चंगाई के लिए प्रार्थना करें ताकि प्रभु की शक्ति और दया उनके जीवन में दिखे और दूसरों को भी मसीह की ओर खींच लाए।

मार्च

21

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सेलिना हंसदक मिज्यो किस्कू

श्रीमती प्रोपिला बसुमातारी प्रदीप

श्री गोविंदराजन ई., श्रीमती शशिकला वेंकटेशन

श्री राजेंद्रन जे., श्री गणेश आर.

रानीगंज :

रामकृष्ण अग्गीबाड़ा एवं

अंजलि देवी

स्तुति: अचानक गिरने से बेहोश मरियम हंसदा को परमेश्वर ने किया, माता-पिता की प्रार्थना के उत्तर में चंगाई दी। परमेश्वर ने श्रीमती मुर्मू को सुरक्षित प्रसव में सहायता की। विश्वासियों ने सुजीत मुर्मू और उनकी पत्नी के बीच शांति के लिए प्रार्थना की और उन्हें एक होने और जीवन बिताने में सहायता की। परमेश्वर ने मोनिका मार्डी को दुष्टात्माओं के बन्धन से छुटकारा दिया। रस्का, किस्कू और अंजलि हंसदा को लंगडेपन चंगाई मिली।

प्रार्थना: लुकीराम और सोरेन को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले। कालीडोला और रोल्वोट्टू में चर्च निर्माण के लिए सही जमीन मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करे कि कलीसिया के चर्च के युवा उत्साह के साथ आउटरीच मिनिस्ट्री में हिस्सा लें। परमेश्वर सुशील टुडू, सोमल और सुमल

मुर्मू के परिवार को संतान की आशीष प्रदान करे। परमेश्वर ड्रामा टीम के प्रयासों को आशीर्वाद दें और इसे सफल बनाए। प्रार्थना करे कि गिलगोडोम हो रहे में विरोध खत्म हो। प्रार्थना करें कि हमारा विश्वासी विश्वजीत परिवार प्रभु के ज्ञान में बढ़े।

छत्तीसगढ़

तपकारा :

अरुण कुमार जी. एवं

सारथी ए.

स्तुति: दो नए गाँवों में आराधना दल की शुरुआत की गई। विरोध के बावजूद भी विश्वासीगण हिम्मत के साथ आराधना में शामिल होते हैं। कारी और प्रथिमा को प्रार्थना के द्वारा मानसिक अवसाद से चंगाई मिली। हमी कलीसिया के गेरजी मंडली के कोषाध्यक्ष के बेटे को सरकारी नौकरी मिलने पर दसवाँ हिस्सा देकर परमेश्वर की महिमा की। पिछले महीने कई पिछली मुश्किलों के बावजूद दिगविजय की शादी सफलतापूर्वक सम्पन्न की गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि कुमारबहार, गुजीबनी, पराथपारा और सेमरकसर इलाकों में आराधना बिना किसी रुकावट के चलती रहे और विश्वासीगण के साथ आराधना में भाग लें। यादव और नागवंशी लोगों के लिए प्रार्थना करें कि जिन्होंने सुसमाचार सुना है, वे मसीह यीशु में विश्वास करें और आध्यात्मिक रूप से आगे बढ़ें। यूथ मिनिस्ट्री बिना किसी रुकावट के आगे बढ़े। महिमा को अत्यधिक रक्तस्राव से पूर्ण चंगाई मिले।

मार्च

22

रविवार

हाटी :

दिनेश कुमार एवं
नीतू के.एम.

स्तुति: 10 गाँवों के कई लोगों को पहली बार सुसमाचार सुनने का अवसर मिला। कम्हार गाँव में एक नए परिवार ने आराधना में भाग लेना शुरू किया है। कम्हार के कुछ और परिवारों ने भी आराधना में आने को दिलचस्पी दिखाई है। सकथुला, कम्हार और गोठी गाँव में रात्रि सभा एवं सत्संग सभा आयोजित की गई। चार लोग अपने विश्वास को सबके सामने अंगीकार करने के लिए तैयार हैं।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि प्रभु नरेश राठ्या को एक सही जीवन साथी प्रदान करे। लक्ष्मी को बुरी आत्मा से और साथिया को शराब की लत से छुटकारा मिले। सुहेल सिंह रातिया को लकवा से और 22 वर्षीय प्रियंका को सिकल सेल की बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिले। प्रभु रातिया लोगों के बीच एक बड़ी आध्यात्मिक फसल प्रदान करे।

सीतापुर :

मुथु कुमार एवं
नेत्रावती एन.

स्तुति: असकारा चर्च में हुई बच्चों की

सभा में 45 लोगों ने भाग लिया। परमेश्वर ने जम्बाहट और भाईबहट गाँव में कोरबा जनसमूह के लोगो को सुसमाचार सुनने में मदद की। सरबानी गाँव में सुसमाचार सुनने के लिए 100 लोग इकट्ठा हुए थे। माझी जनजातियों के बीच एक नई आराधना दल का गठन किया गया। परमेश्वर ने हमें कठनाई गाँव के माझी जनसमूह के बीच में आराधना शुरू करने में हमारी मदद की। सरबानी, थारैदांत और कटिकोना गाँव के उन नए परिवारों के लिए प्रभु को धन्यवाद दें जो प्रभु में बढ़ रहे हैं। उन परिवारों के लिए प्रभु की महिमा करें जो परबकला चर्च में नई आराधना में शामिल हुए हैं।

प्रार्थना: बाबूलाल की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिसने प्रसव के दौरान अपनी पत्नी को खो दिया। प्रार्थना करें कि कोरवा मंडली से स्थानीय प्रचारक एवं कलीसिया के प्राचीन खड़े हों। प्रार्थना करें कि ललितपुर और थवाईदुड़ी मंडली में चर्च का निर्माण हो। प्रार्थना करें कि इस इलाके की मुश्किल हालात के बीच परमेश्वर हमें वचन का प्रचार करने की शक्ति प्रदान करे। घरों में होने वाली सभी आराधनाओं को बंद करने की विरोधियों की सभी योजनाएँ नाकाम हों। मिशनरियों को टारगेट करके और उन्हें जेल में डालकर विश्वासियों को धमकाने की योजनाएँ बंद हों ताकि मिशनरी गाँवों में जा सकें। माझी लोगों की मुक्ति में रुकावट डालने वालों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें।

मार्च

23

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री सुकांतो कुमार सिंह
श्रीमती नेमजावाह थंगलाल जोरु

ओड़िशा

जगन्नाथपुर : बासुदेव मालतो एवं
बसंती मालतो

स्तुति: दो दिवसीय युवा प्रशिक्षण सभा शामिल होने वाले कई लोगों के लिए बहुत बड़ा आशीर्वाद का करण रहा। हमारे मिशनरी और स्थानीय प्रचारकों को एक सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए परमेश्वर की चमत्कारी सुरक्षा के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। हमारे स्थानीय प्रचारक कनिश्चा सिंह हिम्मत के साथ नक्सल प्रभावित जंगली इलाकों में जाकर सुसमाचार का प्रचार करते हैं।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हो जनसमुदाय के बीच सुसमाचार के प्रचार में आने वाली रुकावटें खत्म समाप्त हो। सुकलाल लोहोरी, राकेश महतो, बालेश्वर पुर्ती, सुंदापुन्नी लोहरी (तीन साल का बच्चा) और जयसिंह मिर्गी से, सांबिया सोरेन और मंगला सिसिंगी को दुष्टात्मा छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें। जोंगा सिंगा के लिए प्रार्थना करें जो मसीही विश्वास के कारण विरोध का सामना कर रहा है विश्वास में स्थिर रहे। सुमिता केसा को मुँह के कैंसर से चंगाई मिले।

झिंकपानी :

अब्राहम एस. एवं एलिस शीबा

स्तुति: एक मशहूर जादूगर, सामु सांडिल ने पश्चाताप किया और ईसा मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता ग्रहण किया। बंडू पूर्ति को जहरीले साँप के काटने से चमत्कारिक चंगाई मिली। सीमा मुंडैया, परमज्योति मंडाली को दुष्टात्मा के बन्धन छुटकारा से मिली। जयपुर, जोजो हातु, थुइबाना और नागासा गाँवों में जीज़स फिल्म मिनिस्ट्री के जरिए सुसमाचार प्रचार किया गया।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि देवगन, माइगो और इंडिगे गाँव में आराधना दल का गठन किया जा सके। प्रार्थना करें कि जिन लोगों ने जीज़स फिल्म देखकर यीशु पर विश्वास किया है, उनका विश्वास बढ़े। पथुगुइरा, सिक्कुरसाई और सोनापोसी गाँव में प्रार्थना समूह शुरू करने की कोशिशें सफल हों। प्रार्थना करें कि इन गाँवों के युवा स्वयं की इच्छा से स्थानीय प्रचारक के तौर पर काम करें। जयपुर में चर्च का काम बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से चलता रहे।

अनाथों का पिता

झारखण्ड के महारो मिशन क्षेत्र के थुंगबेल गाँव की एक गरीब विधवा गंगी देवी, एक मजबूत विश्वासिनी है। एक दिन वह अपने बच्चों के साथ पड़ोस के गाँव में रिश्तेदारों से मिलने गई थीं। उस रात, उनके घर में आग लग गई और उनका सारा सामान जलकर खाक हो गया। परमेश्वर की कृपा से, उनकी जान बच गई। परमेश्वर ने जो अनाथों पिता है गाँववालों और विश्वासियों के हृदयों को छू लिया ताकि उन्हें वह वापस मिल सके जो उन्होंने खोया था। उन्होंने उनके नुकसान को मदद में और उनके दुख को धन्यवाद में बदल दिया। परमेश्वर की स्तुति हो !

मार्च

24

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती निरोला दिगल
श्री केनोज स्टेनली इनबाराज

गुजरात

झालोद : कुमार पॉल एवं
अमुधा

स्तुति : प्रीति बेन और अंजना बेन को परमेश्वर ने सुरक्षित प्रसव करने में सहायता प्रदान की। हमारे विश्वासी पापलबाई, सालिबेन और लिम्बाबाई ने अपने घरों में एक थैंक्सगिविंग सभा के द्वारा परमेश्वर की भलाई के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। जब कुमली बेन के बच्चे की हालत गलत दवा की वजह से बिगड़ गई, तो उन्होंने रोते हुए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने दिव्य चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना : हमारे नए विश्वासी सुरेश बाई की पत्नी, कमलाबेन के लिए प्रार्थना करें जिन्हें सड़क दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगी थी, उन्हें पूरी तरह से चंगाई मिले। अपने कार्य स्थल पर सोने के समय छत से गिरने के कारण पैर के फ्रैक्चर से पीड़ित दीदाबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि लखनपुर, जालमपुरी और माधवा इलाकों में चर्च बनाने के लिए जमीन की जरूरी कागजात मिलने पाए। पॉल को आंतों की बीमारी से और राबिन्सन को सिकल सेल बीमारी से चंगाई मिले।

निज़र एवं सेलाम्बा :

युवनेश एवं झॉसी रानी

स्तुति: हमारे विश्वासियों के खेतों में अच्छी फसल हुई। हमारी विश्वासिनी निशाबेन को एक सरकारी अस्पताल में नर्स की नौकरी मिली। उन 32 विश्वासियों के लिए जो पिछले छह महीनों से वन विभाग के साथ जमीन के झगड़े की वजह से जेल में बंद थे, जिन्हें आखिरकार परमेश्वर की कृपा से रिहा कर दिए गए और आजादी मिल गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण अपने विश्वास में पक्के रहें और समाज में प्रभावशाली गवाह बनें। रेशमा बाई को मानसिक अवसाद से चंगाई मिले। हमारे विश्वासियों के युवा बच्चों को सही जीवन साथी मिले। हमारे विश्वासियों के बच्चे जो अपनी 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, वे अच्छी तैयारी कर सकें और परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करें। हमारे सभी विश्वासा परिवारों के लिए प्रार्थना करें कि वे नियमित रूप से शामिल हों और भक्ति के साथ प्रभु की महिमा करें।

यदि मैं मर भी जाऊँ, तो भी मैं यीशु
पर भरोसा रखूँगा

झारखण्ड के मनिका मिशन क्षेत्र के इगु गाँव की हमारी विश्वासिनी किरण देवी कई दिनों से कूहे के दर्द से परेशान थीं और चल नहीं पा रही थीं। उनकी हालत देखकर, उनकी माँ ने उन्हें किसी ओझा के पास जाने को कहा, और चेतावनी दी कि अगर वह ऐसा नहीं करेंगी तो उनकी मौत हो सकती है। परन्तु किरण देवी अपने विश्वास पर अड़ी रहीं और कहा, "अगर मैं मर भी जाऊँगी, तो भी मैं सिर्फ यीशु पर ही भरोसा करूँगी। सिर्फ वही मुझे चंगा करेगा।" प्रभु ने उनके दृढ़ विश्वास का सम्मान किया और उन्हें पूरी तरह से चंगाई दिया। आज वह स्वतंत्र रूप से चलती हैं, और परमेश्वर की दया की बड़ाई करती हैं। सिर्फ उन्हीं की महिमा हो! हल्लेलूय्याह!

मार्च

25

उपवास
प्रार्थना दिवस

बुधवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ल्हिंगनेइहोई जोऊ

विजयनगर :

विजयकुमार के. एवं सुशीला

स्तुति: पालपदार इलाके में एक नई आराधना सेवा शुरू की गई। सामजी बेन और मन्नू बेन को परमेश्वर ने सुरक्षित प्रसव में सहायता प्रदान की। लक्ष्मी बेन और इलावती बेन को बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिली। शीला बेन और बाबू बाई को उनके शरीर में जलन की समस्या से चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सरन पंजरी, मथवा और करवन इलाकों में चर्च शीघ्र ही बनाया जाए। सोम चर्च में आने वाले विश्वासी अपने विश्वास पर अडिग रहें। सविता और बिब्लिबेन को बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिले। तुलसी बेन के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। सारदा बेन के परिवार में परमेश्वर की शांति बनी रहे। रमीला बेन के परिवार के सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने अपने दो साल के बेटे को खो दिया है ताकि वे विश्वास में बने रहें।

कीलिपानी, धरमपुर :

जी कुमारन एवं जेलिन जया

स्तुति : गणेश की पत्नी ने तीन साल तक

प्रार्थना में विश्वास के साथ इंतजार करने के बाद गर्भधारण की। सामुएल को एक दुर्घटना में हुए चोट से चंगाई मिली। जयंती, जो सांप के काटने से बच गई। विट्टल बाई, जो एक दुर्घटना के प्रभाव से बच गई। सौरा चर्च का संस्कार परमेश्वर की महिमा के लिए किया गया।

प्रार्थना: कल्पना बेन और हरिबाई, जो सर्जरी के बावजूद पेट दर्द से परेशान हैं प्रार्थना करें कि उन्हें पूरी तरह से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि मांगिबेन को लकवा से, जगुबाई को बवासीर से, सोमली बेन को नाक की सूजन से और विरलबाई को सुनने और बोलने की असमर्थता चमत्कारिक चंगाई मिले।

चमत्कार करने वाला परमेश्वर

छत्तीसगढ़ के घरघोड़ा मिशन क्षेत्र की एक जवान बहन अंजलि चौहान कई वर्षों से रीढ़ की हड्डी की बीमारी से परेशान थी। उसके भविष्य की शादी और बच्चों—के बारे में उठता सवाल उसके हृदय को बहुत परेशान कर रहा था। फिर भी उसने दृढ़ विश्वास के साथ प्रार्थना की। जब क्षय रोग का स्कैन किया गया, तो डॉक्टरों को बीमारी का कोई निशान नहीं मिला। फिर भी, वह बिस्तर पर ही रही। अपनी बेटी की तकलीफ देखकर, उसकी विधवा माँ ने रोते हुए परमेश्वर से प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी सच्ची प्रार्थना सुनी और अंजलि को पूरी तरह से चंगाई दी। आज, उसकी शादी हो चुकी है और एक हेल्दी और चमत्कारिक प्रसव के द्वारा उसे एक बच्ची का आशीर्वाद मिला है। जिस परमेश्वर ने उसके अनिश्चित भविष्य को अपने हाथों में थाम कर रखा था, उसने उनके दुःख को आनन्द में बदल दिया है। हल्लेलुय्याह!

मार्च

26

गुरुवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जैकब ज्ञानपंडितन एम.

श्रीमती मारिया सेल्वी धर्मराज

श्री अल्बर्ट संतोष राज जे.

श्रीमती विंग नेई सियान जम्बिनलुन

कपराड़ा :

बिदुश कुमार

नायक एवं प्रीतिबाला,

सूरजमुखी, शीला हंसदा

स्तुति : चार इलाकों में चर्च एल्डर्स की ट्रेनिंग सफलतापूर्वक संचालित की गई। गोथवाल चर्च का निर्माण कार्य पूरा हुआ और परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। सुनीता बेन और शांति बेन को प्रार्थना के द्वारा गुर्दे की पत्थरी से चंगाई मिली। प्रियांशी और आयुष को प्रार्थना से बात करने की शक्ति मिली। प्रीति बेन को डायबिटीज होने के बावजूद परमेश्वर ने सुरक्षित प्रसव करने में मदद की। प्रियंका को कुत्ते के काटने चंगाई मिली।

प्रार्थना : लकवा से पीड़ित हमारी नई विश्वासिनी मिगनबाई को पूरी तरह चंगाई मिले। शारीरिक रूप से विकलांग रिकेल बेन को परमेश्वर सहायता प्रदान करे। सुनीता बेन को क्षय रोग से चंगाई मिले। शायला बेन के लिए प्रार्थना करें जिनका पिछले तीन सालों से गर्भपात हो रहा है परमेश्वर उन पर

दया करे। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासियों और उनके जानवरों को बाघ के हमलों से सुरक्षा मिले। जलने की चोट से उबर रही जेया बेन को पूरी तरह से चंगाई मिले।

दादरा नगर :

डेविडसन राजासिंह एवं

कनमनी परिमलम

स्तुति: संधू बाई को तंबाकू की लत से छुटकारा मिला। अनिल भाई और उनकी पत्नी, जो पहले चर्च नहीं जाते थे, अब उनके लिए की गई प्रार्थनाओं की वजह से आराधना में आने लगे हैं। जितेशभाई और ललिता बेन, साईमन भाई और आशा बेन के परिवारों को आठ वर्षों के वैवाहिक जीवन के बाद विरासत में एक लड़के का आशीर्वाद मिला। लकवा से पीड़ित राधे बेन के परिवार ने जब उनके लिए प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उन्हें बोलने शक्ति दी। वलसु बेन को प्रार्थनाओं के उत्तर में आँखों की रोशनी वापस मिली।

प्रार्थना: लकवा से परेशान मेरु बेन और जशबाई के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें सम्पूर्ण चंगाई मिले। हर्षदा को बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिले। वैवाहिक जीवन के 15 वर्षों से संतानहीन दिलीप बाई के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। सोमीबेन और जागृति को स्किन संक्रमण से चंगाई मिले। विकीबाई, सुभाषबाई और मकेश को कैंसर से चंगाई मिले। ममता बेन के पति को शराब की लत से छुटकारा प्राप्त हो। अंजलि बेन और मनीषा बेन के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान की आशीष प्राप्त हो।

मार्च

27

शुक्रवार

जन्मदिन मुबारक

श्री मूर्ति टी.

महाराष्ट्र

खंडबारा एवं नवापुर :

थिम्माना तिमोथि एवं

ममता नैन्सी

स्तुति: जब तांत्रिक और डाक्टर मदद नहीं कर पा रहे थे तब परमेश्वर ने रेशाबाई को शैतान के बन्धन से छुटकारा प्रदान किया। मोलीपाड़ा, पाठवत और कोलकर इलाकों के चार लोगों ने चर्च जाना शुरू कर दिया है। इलाज में लापरवाही की वजह से सीने और सिरदर्द से परेशान फिलिप को परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा चंगाई दी। निमोनिया और खून की कमी से पीड़ित खुशी को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। पिजगाम और नवपद में पहली बार सुसमाचार का प्रचार किया गया।

प्रार्थना : देवलीपाड़ा गाँव विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जिनके सामने समस्याएँ आ रही हैं। प्रतीक्षा, सोमाजी और कमलबाई को गुर्दे की पथरी से चंगाई

मिले। 3 वर्षों से कोढ़ से परेशान पानी बाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जयसिंह को मानसिक अवसाद से, रानीबाई को सिकल सेल बीमारी से, माया और गायत्री को गले के ट्यूमर से और 3 सालों से लकवा से परेशान गाथा को सम्पूर्ण चंगाई मिले। मीरा, आनंद और जगदेश्वरी के परिवार को संतान सुख प्राप्त हो।

सुरगना :

मायिलसामी जोसेफ एवं
येसुमानी

स्तुति : काशीनाथ को बिजली के झटके से चमत्कारिक रूप से सुरक्षा मिली। पाँच नए परिवारों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। पेट के तेज दर्द से परेशान मंदाबाई को चंगाई मिली। लक्ष्मण को शराब की लत से छुटकारा मिला।

प्रार्थना : पारें मिशन क्षेत्र के चार गाँवों में काम करने वाले आराधना के लिए प्रार्थना करें कि पूरे चर्च गुप के तौर पर बनाया जाए। हमारी नई विश्वासी सुमित्रा बाई को लकवा की बीमारी से पूरी तरह ठीक हो। गले के कैंसर से जूझ रही इंबूबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। उनके बच्चों के लिए भी प्रार्थना करें, कि उनका भविष्य परमेश्वर की अगुवाई में आशीर्वाद और मार्गदर्शन पाए।

मार्च

28

शनिवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जेरीनाह शिमराह

गडचंदूर :

पॉल अल्बर्ट एवं
रानी जेसिलेट

स्तुति : छत्रपति, मंगू, सारेका, विशु और उनके परिवार चर्च की आराधना में शामिल हो गए हैं। हमारे स्थानीय प्रचारक जोनाजात्राम विरोध के बीच भी उत्साह के साथ सेवा करते हैं, परमेश्वर के हाथ में सुरक्षित हैं। कमला को तीन दिन की उपवास प्रार्थना में हिस्सा लेने के बाद सांस फूलने की समस्या से चंगाई मिली। कलीसिया की प्रार्थनाओं के द्वारा दशरथ के बिछड़े हुए परिवार में सुलह हो गई है और अब वे शांति से एक साथ रहते हैं।

प्रार्थना: संदेश भाई के मनफिराव और मसीह को अपना मुक्तिदाता ग्रहण करने के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करता हैं। लिंगी इलाके के उन धार्मिक कट्टरपंथियों के लिए प्रार्थना करें जो विश्वासियों पर अपना विश्वास छोड़ने का दबाव डालते हैं परमेश्वर के प्रेम से दूए जाएँ। दुर्गा और हीरा को कैंसर से,

बिमरो को लकवा से, श्रीकांत को बीमारी के बिस्तर से और ज्योति को आर्थराइटिस से चंगाई मिले। नाधुकोड़ाबे के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में विश्वास करें और सभी बीमारियों से छुटकारा पाएँ।

तलोडा :

बरनीधरन एवं सेल्वारानी

स्तुति : संजय को जहरीले बिच्छू के काटने से परमेश्वर ने बचाया। मांगीलाल को दिमागी परेशानी से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली जो जंगलों में घूमता रहता था। आठ लोगों ने ईसा मसीह को अपना उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। प्रार्थना के द्वारा एक बछड़े को घूमते हुए शेर के हाथ से चमत्कारिक रूप से बचाया गया।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि मिट्टापुर और नवगाव गाँव के लोग ईसा मसीह पर विश्वास करें। चर्च जाने का विरोध रेमथिया के माता—पिता के लिए प्रार्थना करें कि वे मन फिराएँ और प्रभु के प्रेम का अनुभव करें। रेवती को संतान सुख प्राप्त हो। बेबी बाई, जो बैलगाड़ी से गिरने के कारण उसके पैर में चोट लगी है प्रार्थना करें कि उसे पूरी तरह चंगाई मिले। शारीरिक परेशानी के कारण सो नहीं पा रही मीनाबाई, राजिला और अर्पित के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें चंगाई और अच्छी नींद प्रदान करे।

मार्च

29

रविवार

जन्मदिन मुबारक

श्री जॉन एंड्रयूज सुगिर्थराज

कर्नाटक

मलूर :

सामुएल बेबरता एवं
सिप्पोरा बेबरता

स्तुति : बगलूर गाँव के लोगों ने उत्सुकता के साथ सुसमाचार के संदेश को सुना। मादिवाड़ा गाँव के भाग्यम की बेटी को दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली। जेयमंगला गाँव के वेंकटेश को बिना सर्जरी के यकृत की बीमारी से चंगाई मिली। 22 बच्चों ने स्क्रिप्चर कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया और विजय प्राप्त किया।

प्रार्थना : शराब, जाति के आधार पर भेदभाव, धार्मिक भेदभाव और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को पवित्र आत्मा द्वारा रोके जाने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कई गाँवों में हो रहे सुसमाचार का विरोध बंद हो। ऊँची जातियों के तीफ से जुल्म झेल रहे हमारे विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि प्रभु उन्हें शक्ति और सुरक्षा प्रदान करे। होसकोटे इलाके में एक नया मिशन क्षेत्र की शंरुआत के लिए प्रार्थना करें।

आध्यात्मिक अंधेरे में जी रहे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें परमेश्वर के वचन से रोशनी मिले।

आंध्र प्रदेश

पालमनेर :

कुप्पुस्वामी पी. एवं शीला

स्तुति : हमारी विश्वासी दिव्या का चोरी हुआ टू-व्हीलर का पता दो दिन में लगाया और उसे वापस मिल गया। दो विश्वासियों ने अपनी प्रार्थनाओं और पैसे देकर दो मिशनरियों की मदद करने की प्रतिज्ञा की है। सिरदर्द और ट्यूमर से परेशान आइजैक को प्रार्थनाओं के द्वारा चंगाई मिली। युवा मेले में 160 से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया और उन्हें आध्यात्मिक रूप से मजबूती मिली।

प्रार्थना: टॉइफाइड और पूरे शरीर की बीमारियों से परेशान नागराज के ईश्वरीय चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सर्वेश्वरी, सरवण और सुबैया परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास पर स्थिर रहें। मंजुला और हेमा की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। दीपम्मा को बच्चोदानी के ट्यूमर से, अथिसयम्मा को पेट के ट्यूमर से एवं पार्वतम्मा को घुटने के तेज दर्द से चंगाई लाने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि गणेश के अलग हुए परिवार में सुलह हो और शराब की लत से उन्हें छुटकारा मिले ताकि उनके घर में शांति और विश्वास वापस आ सके।

मार्च

30

सोमवार

जन्मदिन मुबारक

श्री कोंकणी संपतभाई, श्री अब्राहम एस.

श्रीमती क्षेत्रमयुम प्रिया देवी जीवर

नल्लमदा : दिनेश मडैया एवं
मेरी मुर्मु

स्तुति : बिना किसी रुकावट के तीन गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया। तीन साल से बहुत ज्यादा सिरदर्द से परेशान लक्ष्मी देवी को जिन्हें डाक्टरों के इलाज के द्वारा कोई आराम नहीं मिला विश्वासियों की मदद एवं प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर ने उन्हें चंगाई दी। एलिजाबेथ के पति, जो पहले उन्हें प्रार्थना सभाओं में जाने से रोकते था अब उसने माफी मांगी है और अब अपने घर में सभाएँ होने देते हैं।

प्रार्थना : आयेजित चर्च एल्डर्स ट्रेनिंग और जीसस फिल्म मिनिस्ट्री के सफलतापूर्वक होने के लिए प्रार्थना करें। मसीही विश्वास का विरोध करने वाले संधिया के माता-पिता के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह की सच्ची ज्योति को प्राप्त करें। श्रावणी, कविता, म्यनामका, शिवम्मा, चिन्नामा, रामचंद्र, नागम्मा और सलेम्मा, जो मिनिस्ट्री में हमारे सम्पर्क में नए आए हैं, उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करें। नल्लमडा मिशन क्षेत्र में एक चर्च बनने और रागिनीपल्ली गाँव में आराधना के लिए सही जमीन मिलने के लिए प्रार्थना करें।

मित्र समाचार | 49 | मार्च 2026

मरियम्मा को शैतानी बंधन से छुटकारा मिले। तबीता और रामजी के परिवार की समस्या का सामाधान हेतु प्रार्थना करें कि वे शांति से रह सकें। चंद्रलेखा की सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। ईश्वर रेड्डी के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत में अपने परिवार के साथ बुरा बर्ताव करता है ताकि उनके परिवार में शांति बना रहे।

रोड्डम : देबरदत्ता लीमा एवं
सोनिया रानी

स्तुति : गिरने से हुए फ्रैक्चर से निरन्तर प्रार्थना के द्वारा अशोक को पूरी तरह से चंगाई मिली। दो नए गाँव में जीजूस फिल्म दिखाई गई। कोट्टापल्ली गाँव में एक नई आराधना दल शुरू की गई है। संध्या को संतान की आशीष मिली। कनिता और गंगादीप को स्कैन इन्फेक्शन से चंगाई मिली और रुथम्मा को कुत्ते के काटने से चंगाई मिली। रेणुका के परिवार की समस्या सुलझ गई और उन्हें शांति मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि चर्च बनाने के लिए पंचायत से जरूरी अनुमति मिले। संतोष जिसका 10वीं और 12वीं की स्कूल सर्टिफिकेट खो गया है प्रार्थना करें कि उसे वापस मिल जाए। मंजूनाथ और पैलांजी को शराब की लत से छुटकारा मिले। मूर्ति को मिर्गी से चंगाई मिले। रत्नम्मा, शिवकुमार, नागराज, सावित्री, गंगम्मा और रामलिंगप्पा के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। अरुणा और राजी के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में आएँ और उन्हें योग्य जीवन साथी प्राप्त हो।

मार्च

31

मंगलवार

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती अमिर्धा गोल्डा असिर, श्री जॉन एजुंग
श्रीमती थोटी गुर्रमवारी हिमा बिंदु रमेश

तमिलनाडु

डेनकनीकोट्टई : जेबाराज

(सेवानिवृत्त) एवं एस्तेर तंगम

स्तुति : पिछले तीन साल से सांस लेने में तकलीफ सामुएल और शिवकुमार को परमेश्वर ने चंगाई दी। हमारी विश्वासी सुमन एक एक्सीडेंट से बच गई। जॉय लवण्या के पिता की शोक सभा में शामिल होने वालों को सुसमाचार सुनने का मौका मिला। अंदेवनपल्ली चर्च में रविवारीय पाठशाला का आरम्भ किया गया। चार वर्षीय गैब्रियल, जो गलती से अपने घर की छत पर पानी की टंकी पर चढ़ गया था, उसे उसकी माँ ने समय रहते बचा लिया।

प्रार्थना : नियमित रूप से कलीसियाई आराधना में भाग ले रहे मुथम्मा और राजलक्ष्मी के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि कॉंगुसेटिपल्ली गाँव में विरोध और समाज की ओर से आ रही रुकावटें खत्म हों ताकि सुसमाचार का प्रचार खुलकर हो सके। संतोष मूर्ति को एक मसीही जीवन साथी मिले। भास्करन और मर्विन के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें सही समय पर संतान प्रदान करे। 10वीं बोर्ड की परीक्षा दे रहे दर्शिनी और संजय के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी पढ़ाई

और परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकें।

एंचेटी :

डेविड निकोलसन एवं आइवी

स्तुति : परमेश्वर की अनुग्रह से, सुशीला और मनिकम को अस्थमा से चंगाई मिली। एंथोनियाम्मा को सीने के दर्द से चंगाई मिली और कलीसिया के बीच परमेश्वर को धन्यवाद दी। अर्थगल, नतिरनपलायम और मरियालम में सुसमाचार का प्रचार किया गया, जिससे विश्वास करने वाले मजबूत हुए और परमेश्वर का राज आगे बढ़ा। चलने में असमर्थ एनल को परमेश्वर के हस्तक्षेप से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। ईमानदारी से हमारे उद्धारकर्ता की सेवा करने के कारण परमेश्वर ने हमारे मिशनरियों और प्रचारकों को सेहत, सुरक्षा और सुरक्षित यात्रा प्रदान किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि अमलराज एवं पीटर को डायबिटीज से पूरी तरह से चंगाई मिले। सेकर को कार्डियक सर्जरी के बाद ताकत मिले और वह पूरी तरह से चंगाई पाए। हिल्डा, विक्टोरिया, सेकर और कन्हैया को किडनी की बीमारियों से और वनिता को फेफड़ों की बीमारी से चंगाई मिले। सेल्वी एवं प्रभु, वर्थिका एवं फर्नांडीस तथा शांति के परिवारों को पारिवारिक झगड़ों से छुटकारा मिले और उन्हें ईश्वरीय शांति और मेल-मिलाप की आशीष मिले। परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह अपने सेवकों की रक्षा करें, चर्च को आध्यात्मिक विकास में मजबूत करें, सुसमाचार के लिए नए द्वार खोलें और हमारे उद्धारकर्ता के द्वारा कई आत्माओं को मुक्ति दिलाया जा सके।

FMPB का मिशन एवं विजन कार्यक्रम

कुवैत
राज्य में

المسيحيون في العالم والجميع والجميع والجميع
Go into all world and preach the Gospel to every creature



इस वर्ष 14 जनवरी से 2 फरवरी तक, परमेश्वर की असीम कृपा से एवं फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड (FMPB) की कार्यकारी समिति की मंजूरी से, परमेश्वर के सेवक, रेव. डेविड. पी एवं रेव. एस. इमानुएल रंजीत सिंह को कुवैत राज्य में सेवकाई संभालने का खास अधिकार दिया गया।

सेवकाई 14 जनवरी 2026 को कुवैत में FMPB के अगुवों के साथ एक कंसल्टेटिव मीटिंग के साथ शुरू हुई और 1 फरवरी तक चली। इस दौरान, 27 चर्चों में मैसेज दिए गए। अलग-अलग जातीय समूहों के दलों पर प्रकाश करने वाली एक लघु फिल्म दिखाई गई, जिसके बाद मिशन की आनिवार्यता पर जोर देने के लिए एक संदेश दिखाया गया। मिनिस्ट्री के हर पहलू में, हमने साफ तौर पर परमेश्वर एवं और पवित्रात्मा की अगुवाई को महसूस किया।

इन दिनों में, हमने मिशनरियों के साथ 18 घरों का दौरा किया ताकि उन्हें मिशन के काम के लिए नई जिम्मेदारी और आनिवार्यता के साथ हिम्मत दी जा सके और मजबूत किया जा सके। इन यात्राओं से परिवारों को हिम्मत मिली और प्रार्थना एवं FMPB की सेवकाई में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के लिए उनका समर्पण और गहरा हुआ, एवं “जाओ या भेजो” का नारा अपनाया। इसके अलावा, प्रभु ने हमें दो किशारों की सभा, एक युवा सभा तथा एक FMPB परिवारिक सम्मेलन का संचालन करने का भी मौका दिया।

योजना स्तर से लेकर अब तक, पूरे कार्यक्रम में कुवैत एफ.एम.पी.बी. अगुवों का हौसला और पूरे हृदय से सहयोग बहुत कीमती रहा है। हर चर्च सर्विस के अंत में, एक मिनिस्ट्री स्टॉल लगाया गया था जिसमें आन्दोलन के बारे में शुरुआती चीजें, मिशनरी बायोग्राफी वाली किताबें और दूरदर्शी गानों वाली पेन ड्राइव थीं, जिन्हें लोगों के साथ शेयर किया गया।

परमेश्वर के मार्गदर्शन से, ये प्रतिज्ञा एवं फैसले लिए गए:

- 7 नए अगुवों की पहचान की गई है और वे FMPB के लिए शोर्ड जिम्मेदारी के साथ तीन एरिया में सेवा करने को तैयार हैं।
- 11 परिवारों ने मिशनरियों को सहयोग करने का वादा किया है।
- 26 परिवारों ने बच्चों को सहयोग करने करने की प्रतिज्ञा की।
- 11 परिवारों ने चर्च कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में मदद करने का वादा किया।
- 3 परिवारों ने चर्च के कंस्ट्रक्शन को पूरी तरह से सहयोग करने का वादा किया है। इसके अलावा, परमेश्वर ने कई चर्चों, परिवारों और लोगों को FMPB के मिशन के काम के लिए खुशी के साथ आर्थिक सहायता प्रदान की। सारी महिमा सिर्फ परमेश्वर ही को मिले।

श्री जॉनसन जॉर्ज, अवैतनिक मोबिलाइजेशन सेक्रेटरी – कुवैत
मित्र समाचार | 51 | मार्च 2026



घंटों की श्रृंखला की प्रार्थना

**2026 फरवरी
18 से अप्रैल 2**

आईए, 2026 के इस महाउपवास काल में हम परमेश्वर के संतान के रूप में उसके चरणों में बैठें और कलीसियाओं के आध्यत्मिक पुनरुत्थान, सेवकाईयों, मिशनरियों और राष्ट्र की आशीष के लिए प्रार्थना और मध्यस्थता करें!

**प्रार्थना
का तरीका**

24 घंटों की श्रृंखला की प्रार्थना
(24 लोग प्रति दिन एक घंटे की प्रार्थना करें)

प्रार्थना दलों में, कलीसिया में, मोबिलाईजेशन एवं मिशन क्षेत्रों में

12 घंटों की उपवास प्रार्थना

सभी माबिलाईजेशन जिलों में/मिशन क्षेत्रों में

**एक दिवसीय/दो दिवसीय/तीन दिवसीय
विशेष उपवास प्रार्थना**

क्षेत्रीय माबिलसईजेशन जिलों में एवं मिशन क्षेत्रों में जिलेवार

3/6 घंटों की मध्यस्थता की विशेष प्रार्थना

प्रार्थना दल/ कलीसिया/ हमारे अगुवों एवं सहयोगियों के घरों में

आईए हम सब मिलकर व्यक्तिगत, परिवार के रूप में, प्रार्थना समूहों के रूप में और कलीसियाओं के रूप में इस प्रार्थना श्रृंखला में भाग लें! आई हम अपने राष्ट्र में परमेश्वर की महिमा को देखें!

सम्पर्क

प्रार्थना विभाग, मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल, 29, हाई स्कूल रोड, अम्बतूर, चेन्नै-600053
फोन: 044-26574343/26574353 ईमेल: premfmpb@gmail.com@prayer@fmpb.org

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org Printed by: Rasi Graphics (P) Ltd.

No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. Editor: S. John Berlin

मित्र समाचार | 52 | मार्च 2026